ज्ञान विचार
मनुष्य को अगर अपने मस्तिष्क को तंदुरुस्त रखना है तो ज्ञान प्राप्त करते रखना चाहिए।

PKL NO.KKR/184/2022-24
हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र
सच्ची व स्टीक खबर, आप तक

गजब हरियाणा

सम्पादक : जरनैल सिंह
छायाकार : राजरानी

Contact : 91382-03233
समस्त भारत में एक साथ प्रसारित HAR/HIN/2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 01 अगस्त 2023 वर्ष : 6, अंक : 09 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

प्रेरणास्त्रोत: डॉ. कृपा राम पुनिया IAS(Retd.), पूर्व उद्योग मंत्री हरियाणा सरकार

हार्दिक स्वागत

मार्गदर्शक: डॉ. राज रूप फुलिया, IAS (Retd), पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार तथा वाइस चांसलर, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार एवं चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी, सिरसा

मुख्यमंत्री का जनसंवाद ग्रामीणों का आ रहा है रास

आज से महेंद्रगढ़ जिले के कनीना से पुनः शुरू होगा जन संवाद का दौर

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

चंडीगढ़, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में लोगों की समस्याओं के बारे जमीनी हकीकत पर स्वयं जानकारी लेने के लिए आरंभ किया गया जन संवाद कार्यक्रम लोगों को खूब रास आ रहा है। एक ओर मुख्यमंत्री जहां लोगों के बीच एक मुखिया की तरह समस्याओं को सुनकर अधिकारियों को मौके पर ही निपटान करने के निर्देश देते हैं, तो वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों द्वारा रखी गई मांगे अगले ही दिन पूरी हो जाती हैं, जिससे ग्रामीणों में खुशी की लहर देखने को मिलती है।

जन संवाद कार्यक्रम की विशेषता यह है कि मुख्यमंत्री एक जिले में 3 दिन तक रहते हैं और लगभग एक दर्जन गांवों में जन संवाद करते हैं। यह कार्यक्रम गांव की पहचान जैसे गांव का नगरखेड़ा, जोहड़ या बावड़ी या गांव की कोई एतिहासिक पहचान वाली जगह के निकट आयोजित होता है, जिनके प्रति ग्रामीणों की खास आस्था या लगाव रहता है। साथ ही मुख्यमंत्री ग्रामीणों से पूछते हैं कि पिछले साढ़े 8 वर्षों में उनकी सरकार द्वारा किए गए कोई खास कार्यक्रम की बात बताएं जो आप लोगों को सबसे ज्यादा पसंद हैं। साथ ही सरपंचों से भी गांव के विकास के लिए भविष्य की नई योजनाओं के बारे में पूछते हैं। अच्छे सुझावों की मुख्यमंत्री तारीफ भी करते हैंऔर सीएमओ से जुड़े उच्चाधिकारियों को इन सुझावों को सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में शामिल करने की बात भी कहते हैं।

आज से महेंद्रगढ़ जिले के कनीना से पुनः शुरू होगा जन संवाद का दौर

मुख्यमंत्री शुक्रवार 28 जुलाई, 2023 से महेंद्रगढ़ जिले के कनीना से जन संवाद कार्यक्रमों की पुनः शुरुआत करेंगे। इसके बाद अंबेडकर भवन, सुंदराह गांव तथा राजकीय महिला महाविद्यालय, अटेली में जन संवाद कार्यक्रम होंगे। इसी दिन सायंकाल में बावल खंड के खंडोरा गांव में जन संवाद करेंगे। बावल में रात्रि विश्राम के बाद 29 जुलाई को प्रातः बावल खण्ड के गांव जरथल में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मुख्यमंत्री का जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित होगा। उसके बाद गांव संगवारी और धारूहेड़ा में भी जन संवाद कार्यक्रम होगा। मुख्यमंत्री धारूहेड़ा में रात्रि प्रवास के बाद तीसरे दिन 30 जुलाई को गंगायचा अहीर गांव तथा मामरिया आसमपुर गांवों में जन संवाद करेंगे।

अब तक मुख्यमंत्री भिवानी, पलवल, कुरुक्षेत्र, सिरसा व महेंद्रगढ़ जिलों में कर चुके हैं जन संवाद

मुख्यमंत्री द्वारा 2 अप्रैल, 2023 से भिवानी जिले के गांवों से जन संवाद कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी, जिसके बाद पलवल, कुरुक्षेत्र, सिरसा व महेंद्रगढ़ के नारनौल, नांगल चौधरी क्षेत्र के गांवों में तीन-तीन दिन तक लोगों के बीच रहकर जनसंवाद किया।

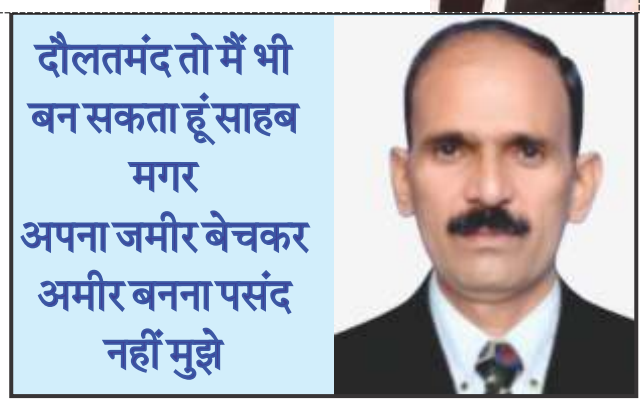

दौलतमंद तो मैं भी बन सकता हूं साहब मगर अपना जमीर बेचकर अमीर बनना पसंद नहीं मुझे

केडीबी की ब्रह्मसरोवर की 21 व ज्योति नगर में स्थित 5 दुकानों की खुली बोली 4 अगस्त को

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र । कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं अतिरिक्त उपायुक्त अखिल पिलानी ने कहा कि कुरुक्षेत्र ब्रह्मसरोवर परिसर पूर्वी तथा दक्षिण दिशा में स्थित 21 दुकानें तथा सूर्यकुंड तीर्थ ज्योति नगर पर नवनिर्मित 5 दुकानों को 4 अगस्त 2023 को प्रातः 11 बजे बोर्ड कार्यालय में आगामी 5 वर्ष की समय अवधि के लिए खुली बोली द्वारा लाइसेंस पर दिया जाएगा। लाइसेंस/बोली की विस्तृत शर्तें किसी भी कार्य दिवस को बोर्ड कार्यालय में देखी जा सकती है तथा इस विषय में सामान्य जानकारी मोबाइल नंबर 98969-52610 पर प्राप्त की जा सकती है।

गृह मंत्री अनिल विज का कांग्रेस नेता हुड्डा पर तंज, कहा 'कांग्रेस का अपना ही गठबंधन नहीं, टुकड़ों-टुकड़ों में बंटी कांग्रेस'

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

चंडीगढ़, हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री अनिल विज ने कांग्रेस नेता भूपिंद्र सिंह हुड्डा के बयान पर तंज कसते हुए कहा कि "कांग्रेस का अपना ही गठबंधन नहीं है, कांग्रेस टुकड़ों-टुकड़ों में बंटी है"।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान श्री विज ने कहा कि हुड्डा साहब को हरियाणा की जनता दो बार आईना दिखा चुकी है, इनका तो अपना गठबंधन हो जाए, वहीं बहुत है। इनके अपने टुकड़े-टुकड़े हुए हैं। सैलजा, सुरजेवाला व किरण चौधरी पूर्व को जा रहे हैं और हुड्डा साहिब दक्षिण में जा रहे हैं। इनका अपना ही गठबंधन नहीं है और यह खुद ही टूटे हुए हैं। गौरतलब है कि हुड्डा ने एक बयान में कहा था कि प्रदेश में कांग्रेस को चुनाव लड़ने के लिए गठबंधन की जरूरत नहीं।

सरकार राहत कार्यों में जुटी है, सरकार जो कह रही है वह कर भी रही है - विज

गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि हरियाणा सरकार पूरी तरह बाढ़ राहत कार्यों में लगी हुई है। लोगों का जो नुक्सान हुआ है उनको मुआवजा दिया जा रहा है। जिनकी जान गई उनके आश्रितों को चार लाख रूपए मुआवजा दिया जा रहा है। सरकार जो कह रही है वह कर रही है। उन्होंने कहा कि बाढ़ से जिनका नुक्सान हुआ है वह क्षतिपूर्ति पोर्टल पर नुक्सान को अपलोड करें और यथासंभव प्रभावित लोगों की मदद की जाएगी।

टैक्स फाइल करने की समय सीमा बढ़ाने के किए जा रहे प्रयास - विज

गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित उद्योगपत्तियों द्वारा टैक्स फाइल करने की समय सीमा बढ़ाने की मांग की गई है। इस संबंध में उनकी मुख्यमंत्री से विस्तार में बात हुई है और इस विषय के बारे में केंद्र सरकार से भी बात की जाएगी। उन्होंने बताया कि आज भी उनके पास इंडस्ट्री एरिया से उद्योगपति आए थे और उनकी मांग को मुख्यमंत्री के पास भेजा गया है। उन्होंने कहा कि उद्योपत्तियों को इनकम टैक्स व अन्य टैक्स समय पर फाइल करने में दिक्कत आ रही है और यह कोशिश की जा रही है कि टैक्स फाइल करने की समय सीमा को बढ़ाया जाए।

माइनिंग बंद होने के कारण टांगरी नदी का लेवल ऊंचा हुआ - विज

अम्बाला छावनी में टांगरी नदी के दूसरे किनारे पर नया तटबंध बनाने के बारे में गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि नदी में माइनिंग न होने की वजह से टांगरी नदी का लेवल ऊंचा हो गया है। पहले माइनिंग होती थी मगर करीब 15 वर्षों से माइनिंग बंद है, इस कारण पीछे से आ रही रेत हर साल नदी में जमती जा रही है। हाल ही में उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ टांगरी नदी का मुआयना किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को पत्र लिखा गया था कि नदी को गहरा किया जाए और नदी के दूसरे ओर भी तटबंध बनाया जाए ताकि नदी के साथ लगती कालोनियां जैसे कि इंडस्ट्री एरिया, रामपुर-सरसेहड़ी, प्रभु प्रेम पुरम एवं अन्य को बचाया जा सके।

गृह मंत्री अनिल विज से रेस्लर द ग्रेट खली (दलीप सिंह राणा) ने की मुलाकात

वहीं, आज गृह मंत्री अनिल विज के आवास पर उनसे रेस्लर द ग्रेट खली ने मुलाकात की। गृह मंत्री अनिल विज ने गर्मजोशी से खली का स्वागत किया और उनसे खेलों सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। गौरतलब है कि द ग्रेट खली गृह मंत्री अनिल विज को अपना बड़ा भाई मानते हैं और वह उनकी कार्यशैली के प्रशंसक भी हैं।

सरकार के लिए सभी धर्मों के लोग एक समान है - विज

गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि यूनिफार्म सिविल कोड (यूसीसी) में सभी के लिए समान नागरिकता संहिता है और सरकार के लिए सभी धर्मों के लोग एक समान है तथा इसके लिए कानून बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि

विधि आयोग ने लोगों से आपर्तियां मांगी हुई है और आपंतियां आ रही है, उन सभी पर विचार करके ही आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

कुछ लोगों के विरोध करने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कुछ लोग पैदा ही विरोध करने के लिए हुए हैं। उन्होंने कहा कि "ये दिन चढेगा-तो विरोध करते हैं, रात होगी-तो भी विरोध करते हैं"। श्री विज ने कहा कि "इसमें किसी को क्या ऐतराज है कि सभी को समान नजर से सरकार देखें और ऐसा शुरू से माना भी गया है कि सभी को समान नजर से सरकार को देखना चाहिए"।

नए गठबंधन इंडिया के सांसदों द्वारा संसद में काले कपडे पहनकर पहुंचने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि काले कपडे तो मातम में ही पहने जाते हैं, अब इस नए गठबंधन का कोई न कोई स्वर्ग सिधार गया होगा, इसलिए काले कपडे पहने हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा डॉ राज शेखर वुंदरु (IAS) गजब हरियाणा समाचार पत्र के अंक का विमोचन करते हुए साथ में संपादक जरनैल सिंह रंगा, डॉ कर्मबीर सिंह, सूरजभान नरवाल।

जरूरी सूचना

बदलाव सोशल सोसाइटी द्वारा कैथल में डॉ भीमराव अंबेडकर बहुआयामी शिक्षण संस्थान अप्रैल से शुरू किया गया। अभी छात्र - छात्राओं को एन.एम.एम.एस और बुनियाद की परीक्षा की तैयारी करवाई जा रही है साथ ही परीक्षा में आने वाले रीजनिंग की तैयारी भी करवाई जा रही है। जिसमे करीब 100 छात्र -छात्राएं ऑफलाइन और सैंकड़ों ऑन लाइन इसका लाभ उठा रहे हैं। भविष्य में स्पेशल कोचिंग दी जाएगी। जिसे बदलाव के यूट्यूब चैनल हम हैं सरकारी के बच्चे और बदलाव सोशल सोसाइटी पर देख सकते हैं।

'गजब हरियाणा' में विवाहिक विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए सम्पर्क करें : 91382-03233

सत्संग एवं कीर्तन दरबार :-

* हर रविवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास ऐतिहासिक अस्थान कुरुक्षेत्र में कीर्तन दरबार का आयोजन सुबह 10 बजे से 12 बजे तक।
* हर महीने के पहले रविवार को गुरु रविदास आश्रम, डेरा बाबा लालदास जी कपाल मोचन बिलासपुर, यमुनानगर सत्संग का आयोजन।

हवा में जहर घोलता वायु प्रदुषण

वायु प्रदूषण वैश्विक स्तर पर गंभीर समस्या बन चुका है। वायु प्रदूषण के कारण विभिन्न स्वास्थ्य समस्याएं हो रही हैं और साफ हवा में खुल कर सांस लेना महज एक ख्वाब बनकर रह गया है। आज हमारे आसपास की हवा इस कदर दूषित हो चुकी है कि सांसें लेना मुश्किल होने वाला है। अब इस दिशा में चर्चा और विमर्श से आगे बढ़कर काम करने की सख्त आवश्यकता है।

स्विट्जरलैंड की एक संस्था आईक्यू एयर ने वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट-2021 नामक एक ताजा रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में शामिल दुनिया के 100 सबसे प्रदूषित शहरों में 63 शहर भारत के हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि राजधानी दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में है। रिपोर्ट में दुनिया के सबसे प्रदूषित देशों में भारत पांचवें स्थान पर है। इस रिपोर्ट के आंकड़े सिर्फ अकेले भारत के लिए ही चिंता का विषय नहीं हैं बल्कि इसमें बताया गया है कि पूरी दुनिया में वायु की गुणवत्ता बहुत खराब होती जा रही है। रिपोर्ट का दावा है कि दुनिया भर में अलग-अलग देशों से लिए गए कुल 117 देशों के नमूनों में से सिर्फ तीन जगहों की हवा के नमूने में ही विश्व स्वास्थ्य संगठन के स्वच्छता संबंधी मानकों पर खरे उतरे हैं। दरअसल बढ़ता वायु प्रदूषण पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन की एक प्रमुख वजह भी है। यहीं नहीं हर साल दुनियाभर में लाखों लोग खतरनाक रूप से वायु प्रदूषण की वजह से अकाल मौत के मुंह में समा जाते हैं।

भारत जैसे विकासशील देश के लिए बढ़ता वायु प्रदूषण एक बहुत ही गंभीर चिंता का विषय है। यह चिंता इसलिए भी बढ़ जाती है कि साल 2019 में वायु प्रदूषण की वजह से भारत में 16.7 लाख लोगों की मौतें हुई। सरकार की संस्था इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च की रिपोर्ट बताती है कि वायु प्रदूषण से वर्ष 1990 से 2019 की अवधि में देश में हवा में मौजूद प्रदूषण की वजह से होने वाली मौतों में 115 फीसद का इजाफा हुआ है। दरअसल चिकित्सा विज्ञान के विशेषज्ञ मानते हैं कि सिर्फ अकेला वायु प्रदूषण ही हमारे फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों के 40 फीसदी मामलों के लिए जिम्मेदार होता है। यही नहीं शोधकर्ताओं का मत है कि स्ट्रोक, डायबिटीज, हार्ट अटैक और समय से पहले पैदा होने वाले बच्चों की मौत के लिए वायु प्रदूषण 60 फीसदी तक जिम्मेदार होता है। एक मीडिया रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2006 से 2015 के बीच देश में श्वांस संबंधी गंभीर बीमारियों के करीबन 2.6 करोड़ मामले सामने आए थे जिनमें से अधिकांश के लिए सीधे तौर पर बढ़ता वायु प्रदूषण एक प्रमुख कारक था।

वायु प्रदूषण के बारे में लगातार शोध संस्थानों की चेतावानियां हमें सचेत करती हैं। भारत समेत दुनिया के अनेक प्रतिष्ठित रिसर्च इंस्टिट्यूट्स इस दिशा में शोध कर रहे हैं। विज्ञान एवं पर्यावरण क्षेत्र में क्षेत्रों में एक प्रतिष्ठित संस्थान सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट ने 2013 में ग्लोबल बर्डन डिजीज नामक एक रिपोर्ट जारी की जिसमें बताया गया कि देश में हर साल वायु प्रदूषण से होने वाली बीमारियों के कारण लाखों असामयिक मौतें होती हैं। रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि यह मौतें दरअसल हवा में बढ़ते पार्टिकुलेट प्रदूषण के कारण होती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2010 के बाद हवा में पार्टिकुलेट प्रदूषण लगभग छह गुना तक बढ़ गया। आईक्यू एयर की यह हालिया रिपोर्ट बताती है कि देश की राजधानी दिल्ली लगातार दूसरे वर्ष दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी है। दिल्ली में पिछले वर्ष की तुलना में प्रदूषण लगभग 15 फीसदी बढ़ गया है।

रिपोर्ट में दावा कहा गया है कि दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर डब्ल्यूएचओ की सुरक्षा सीमा से लगभग 20 गुना अधिक है। जिसमें वार्षिक औसत प्रदूषण का स्तर 96. 4 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि विश्व के 20 सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में से 10 भारत के हैं। इस तरह अगर हम देखते हैं वायु प्रदूषण अकेला ही हमें कोविड-19 से भी कम नहीं दिखाई देता। चिंता की सबसे बड़ी वजह इसका हमारे बच्चों और किशोरो के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर है। छोटे शहरों और कस्बों की हवा भी लगातार प्रदूषित होती जा रही है। एक ऐसे समय में जब पूरी दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर गंभीर चिंता व्यक्त की जा रही है भारत समेत अन्य देशों में भी बढ़ता वायु प्रदूषण एक बहुत बड़ा संकट है। साल 2015 में दक्षिणी अमेरिकी मुल्क चिली ने वायु प्रदूषण की खतरनाक स्थिति को देखते हुए सेंटियागो में पर्यावरणीय आपातकाल घोषित किया था। दिसंबर 2015 और दिसंबर 2016 में चीन की राजधानी बीजिंग में वायु प्रदूषण के कारण दो बार रेड अलर्ट घोषित किया जा चुका है।

हमारे देश में भी वायु प्रदूषण के कारण दिल्ली जैसे महानगरों में कई बार चेतावनियां जारी की जाती हैं। दरअसल हमें यह समझना बहुत जरूरी है कि वायु प्रदूषण सिर्फ हमारी सेहत पर ही असर नहीं डालता बल्कि इसका संबंध हमारी अर्थव्यवस्था से भी है। वायु प्रदूषण के कारण अम्लीय वर्षा का खतरा भी बढ़ता है। एसिड रेन के कारण बारिश के पानी में सल्फर डाईऑक्साइडए नाइट्रोजन डाईऑक्साइड आदि जहरीले गैसें और तत्वों के घुलने से पूरे पर्यावरण पर खतरनाक असर पड़ता है। यह परिवर्तन हमारे पूरे पारिस्थितिक तंत्र को बीमार करता है। इससे वायुमंडल, धरती तथा जल में मौजूद अनेक जीव-जंतुओं के जीवन के लिए संकट पैदा हो सकता है। हमारी हवा को प्रदूषित करने में उद्योगों द्वारा पर्यावरण मानकों की अनदेखी, बढ़ते वाहन, आवास और नगरीकरण तथा अधोसंरचनाओं की विशाल परियोजनाओं के लिए जंगलों और पेड़ों का कटना प्रमुख वहज हैं।

हमें ध्यान रखना होगा कि आज हमारे आसपास की हवा इस कदर दूषित हो चुकी है कि सांसे लेना मुश्किल होने वाला है। अब इस दिशा में चर्चा और विमर्श से आगे बढ़कर काम करने की सख्त आवश्यकता है। पर्यावरण के संरक्षण के लिए नियामक संस्थाओं को प्रभावी और समयसीमा में असर पैदा करने वाली नीतियों का क्रियान्वयन करना चाहिए। समाज और सामाजिक क्षेत्रों में काम करने वाले गैर सरकारी संगठन इसमें बहुत सहयोग कर सकते हैं। एक और बात कि नई पीढ़ी, खासकर किशोरों और बच्चों के लिए पर्यावरण सिर्फ स्कूलों के सिलेबस तक शामिल न हो बल्कि उन्हें प्रयोग के बतौर पौधारोपण से लेकर जंगलों के संरक्षण तक में सक्रिय रूप से शामिल कर अच्छे परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। वातावरण में हवा का स्वच्छ रहना हम सबकी सेहत के साथ ही पारिस्थितिक और आर्थिक तंत्र के लिए जरूरी है। इसलिए हम सभी को हवा को प्रदूषण मुक्त करने के लिए तुरंत ही साझे प्रयास करने होंगे।

वायु प्रदूषण के कारण सामान्य तापमान में भी वृद्धि हो गयी है और पिछले 10 सालों से सर्दियां लगातार घटती ही जा रही हैं। वातावरण में ग्रीन हाउस गैसों के कारण ओजोन परत भी घटती जा रही है जिससे तापमान में वृद्धि हो रही है। वातावरण में मौजूद प्रदूषकों के कारण मानव स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ता है और प्रदूषण के कारण लोगों को स्वास्थ्य संबंधी बीमारियां भी हो रही हैं। दूषित हवा में जाने से सांस लेने में परेशानी, सीने में जकड़न और आंखों में जलन आदि जैसी समस्याएं होती हैं। वायु प्रदूषण हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए अभिशाप के समान है।

जरनैल सिंह रंगा

(मणिपुर चीरहरण विशेष)

चीरहरण को देख कर, दरबारी सब मौन
प्रश्न करे अँधराज पर, विदुर बने वो कौन

यहां बात सिर्फ आरोप-प्रत्यारोपों की नहीं है। सवाल सिस्टम के बड़े फेलियर का है। क्या सिर्फ वीडियो वायरल होने के बाद सरकार के संज्ञान में कोई घटना आएगी? उसका तंत्र क्या कर रहा है? क्यों दो महीने तक कोई कार्रवाई नहीं हुई? क्या लोगों की निशानदेही नहीं की जा सकती थी? ऐसे कई बड़े सवाल हैं। घटना का वीडियो बहुत परेशान करने वाला है। समाज में रहने वाला व्यक्ति इस वीडियो को देखते ही गुस्से से लाल हो रहा हैं, इतिहास साक्षी है जब भी किसी आतातायी ने स्त्री का हरण किया है या चीरहरण किया है उसकी क़ीमत संपूर्ण मनुष्य ज़ाति को चुकानी पड़ी है। हमें स्मरण रखना चाहिए- स्त्री का शोषण, उसके ऊपर किया गया अत्याचार, उसका दमन, उसका अपमान.. आधी मानवता पर नहीं बल्कि पूरी मानवता पर एक कलंक की भाँति है। एक समाज के रूप में क्या हम सचमुच मर गए हैं? एक पांचाली के चीरहरण से राजवंश नष्ट हो गए और यहाँ पार्टियों के पक्षकार अभी भी अपनी-अपनी दुकानों और मालिकों को जस्टिफ़ाई कर रहे हैं ? अब 'लोकतंत्र' के चार चरण विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका व पत्रकारिता को एक दूसरे के साथ लय से लय मिलाकर चलना होगा। तभी वे लोक को अमानुषिक कृत्यों के प्रलय के ताप से मुक्त कर पाएंगे।

महिलाओं के साथ अत्याचार कहीं नहीं होना चाहिए। लेकिन कम से कम मणिपुर कांड को इग्नोर मत कीजिए। दूसरे उदाहरण देकर मामले को हल्का मत कीजिए, वरना जब आज के दौर का इतिहास लिखा जाएगा तो यही कहा जाएगा कि देश के एक कोने में महिलाओं के कपड़े उतारे गए थे और लोग दूसरे राज्यों की तरफ मुंह करके खड़े थे। जब मणिपुर में महिलाओं का चीर हरण देखकर लोगों का खून खौल रहा है तो कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि राजस्थान और बंगाल में जब महिलाओं से अत्याचार होता है तो देश में इतना हंगामा क्यों नहीं होता? कुछ लोग टूलकिट एंगल भी ले आए हैं। मणिपुर कांड पर सवाल पूछने पर जवाब नहीं उल्टे आपसे ही सवाल पूछे जा रहे हैं कि तब कहां थे? तब क्यों नहीं लिखा? तब क्यों नहीं बोला? संसद में क्यों हंगामा नहीं हुआ? मतलब इस घिनौने कांड पर सियासी खेल शुरू हो गया है। लोकतंत्र में सबको अपनी बात रखने का अधिकार है और एक पक्ष यह भी है। मान लेते हैं। लेकिन क्या इस तर्क के आगे दंडवत होकर हम सभी को मणिपुर से अपनी आंखें हटा लेनी चाहिए। क्या सभी को धृतराष्ट्र बन जाना चाहिए? शर्म है, कलियुग का ऐसा कालखंड आया है कि दु:शासनों की भीड़ इंसानियत की देह से कपड़े उतारती है और कोई उन्हें बचाने नहीं आता।

बचाना तो छोड़िए दो महीने तक गुस्सा भी नहीं दिखता। अगर सवाल का जवाब सवाल से ही देना है तब तो हर क्राइम के बाद यही कीजिए। न सरकार को कुछ कहने की जरूरत पड़ेगी, न पुलिस को। हर चीज का कारण तो होता ही है फिर सरकार का क्या रोल है? शासन-प्रशासन क्राइम को नहीं रोक सकता, अंकुश तो लगा सकता है न, चलिए मान लिया अंकुश न सही तो क्राइम होने पर अपराधियों को सजा तो दिलवा ही सकता है न। या फिर सब हवा हवाई है। राजस्थान हो या बंगाल, अगर वहां से भी वीडियो आया होता तो बेशक पूरे देश में गुस्सा देखा जाता और घटना होने पर गुस्सा देखा गया है। संसद तक हंगामा भी होता। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मणिपुर या दूसरे किसी राज्य में इस तरह की दरिंदगी को इग्नोर कर दिया जाए। जान लीजिए कि यह जनता की अति-अपेक्षा का ही नतीजा है कि लोग मणिपुर में इस तरह की सुस्ती की उम्मीद नहीं कर रहे थे। 9 साल में जनता ने यही जाना और समझा है कि यह सरकार पिछली सरकारों से ज्यादा सख्त और क्राइम-करप्शन पर %जीरो टॉलरेंस% के रास्ते पर चल रही है। वहां तो दो इंजन वाला फॉर्म्युला भी था। केंद्र और राज्य में भी भाजपा की सरकारें हों तो फिर ताबड़तोड़ छापेमारी करने में दो महीने कैसे लग गए?

महिलाओं को नग्न अवस्था में घुमाने का वीडियो सामने आने के बाद पूरे देश में गुस्सा है। इसे लेकर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। चीफ जस्टिस ने कहा है कि ऐसी घटना को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। यह मानवाधिकारों और संविधान का सबसे बड़ा उल्लंघन है। इस मामले में उन्होंने सॉलिसिटर जनरल और अटॉर्नी जनरल को कोर्ट में पेश होने के लिए कहा है। इस घटना पर कोर्ट ने स्वत संज्ञान लिया है। यहां बात सिर्फ आरोप-प्रत्यारोपों की नहीं है। सवाल सिस्टम के बड़े फेलियर का है। क्या सिर्फ वीडियो वायरल होने के बाद सरकार के संज्ञान में कोई घटना आएगी? उसका तंत्र क्या कर रहा है? क्यों दो महीने तक कोई कार्रवाई नहीं हुई? क्या लोगों की निशानदेही नहीं की जा सकती थी? ऐसे कई बड़े सवाल हैं। घटना का वीडियो बहुत परेशान करने वाला है सभी समाज में रहने वाला व्यक्ति इस वीडियो को देखते ही गुस्से से लाल हो रहा हैं, इतिहास साक्षी है जब भी किसी आतातायी ने स्त्री का हरण किया है या चीरहरण किया है उसकी क़ीमत संपूर्ण मनुष्य ज़ाति को चुकानी पड़ी है। हमें स्मरण रखना चाहिए- स्त्री का शोषण, उसके ऊपर किया गया अत्याचार, उसका दमन, उसका अपमान.. आधी मानवता पर नहीं बल्कि पूरी मानवता पर एक कलंक की भाँति है।

एक समाज के रूप में क्या हम सचमुच मर गए हैं? एक पांचाली के चीरहरण से राजवंश नष्ट हो

गए और यहाँ पार्टियों के पक्षकार अभी भी अपनी-अपनी दुकानों और मालिकों को जस्टिफ़ाई कर रहे हैं ? अब 'लोकतंत्र' के चार चरण विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका व पत्रकारिता को एक दूसरे के साथ लय से लय मिलाकर चलना होगा। तभी वे लोक को अमानुषिक कृत्यों के प्रलय के ताप से मुक्त कर पाएंगे। अब समय आ गया है जब सभी राजनीतिक दलों और राजनेताओं को, मीडिया हाउसेस व मीडिया कर्मियों को अपने मत-मतान्तरों, एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोपों को भूलकर राष्ट्र कल्याण, लोक कल्याण के लिए सामूहिक रूप से उद्यम करना होगा क्योंकि ये राष्ट्र सभी का है, सभी दल और दलपति देश और देशवासियों के रक्षण, पोषण, संवर्धन के लिए वचनबद्ध हैं।

प्रियंका सौरभ
रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस,
कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,
उब्बा भवन, आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)-127045

जनता की सुविधा के लिए बारिश के मौसम में सडकों को मोटरेबल बनाए रखें अधिकारी, न लें टैण्डर का बहाना : अनीश यादव

नियमो का पालन न करने वालों के पुलिस करेगी ऑफलाईन चालान : शशांक कुमार

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । जिला सडक सुरक्षा समिति की गुरूवार को हुई मासिक बैठक में समिति के चेयरमैन एवं उपायुक्त अनीश यादव ने सडक निर्माण अधिकारियों को हिदायत दी कि बारिश के दिनो में बिटुमिन युक्त सडकों का खराब हो जाना स्वभाविक है, लेकिन जनता की सुविधा के लिए सडकों को मोटरेबल जरूर बनाए रखें। बारिश या टैण्डर का बहाना न लें। बारिश खत्म होने के तुरंत बाद सभी सडकों की युद्ध स्तर पर मरम्मत शुरू की जाए और हर महीने इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सडक सुरक्षा समिति की प्रत्येक बैठक में कम से कम एक महीने का अंतराल होता है। एजेंडा में बताए गए बिन्दू पर कार्रवाई करने के लिए यह समय काफी है। इस पर अमल करें, ताकि कोई भी बिन्दू लंबित न रहे। स्पीड ब्रेकर बनाने के एक बिन्दू पर उन्होंने नसीहत दी कि जो भी करें अच्छा करें। ऐसी कोई भी कमी न छोड़े, जिससे जनता को बोलना पड़े, वैसे टेबल टॉप का डिजाईन आईडियल है।

नियमो का पालन न करने वाले वाहनो के ऑफलाईन चालान करने पर जोर- सडक सुरक्षा समिति की बैठक में चालान करने के एक बिन्दू पर उपायुक्त अनीश यादव और पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने इस बात पर जोर दिया कि ऑनलाईन चालान को कई लोग हल्के में लेते हैं, यह भी कहते हैं कि चालान क्यों और कैसे हुआ, पता नहीं। इसे देखते शहर के चौक-चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस कर्मचारी खड़े होकर ऑफलाईन चालान करें। इससे सडक नियमो का पालन करने के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

बीते मास में कितने चालान हुए, आर.टी.ए. सचिव ने दी रिपोर्ट- मीटिंग में मौजूद आर.टी.ए. सचिव विजय देसवाल ने रिपोर्ट दी कि बीते मास जून में पुलिस विभाग द्वारा अलग-अलग वायलेशन के 9402 चालान किए गए और दोषी व्यक्तियों से 29 लाख 52 हजार रुपये की रिकवरी की। इसी प्रकार आर.टी.ए. कार्यालय द्वारा इस अवधि में ओवरलोडिंग के 387 चालान किए गए तथा 1 करोड़ 47 लाख 43 हजार 500 रुपये की रिकवरी की गई।

ईराड की महत्ता बताई

पुलिस अधीक्षक ने इंटाग्रेटिड रोड एक्सीडेंट डाटाबेस (ईराड) की महत्ता बताई और कहा कि सडक दुर्घटनाओं में कमी करने के लिए यह काफी मददगार हो रहा है। उन्होंने देश के तमिलनाडू का उदाहरण देते बताया कि वहां ईराड से दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत तक कमी आई है। उपायुक्त ने जानकारी दी कि करनाल जिला में ईराड से प्राणघाती दुर्घटनाओं में 17 प्रतिशत की कमी आई है और दुर्घटना से हुई मौतें भी 11 प्रतिशत कम हुई है। दुर्घटनाएं रोकने के लिए कार्यरत अधिकारियों से उन्होंने कहा कि नेशनल और स्टेट हाईवे पर जितने भी ब्लैक स्पॉट पहचान किए जाते हैं, अधिकारी उन्हें प्राथमिकता में लेकर कार्य करें। अगली मीटिंग में हाईवे अनुसार की गई कार्रवाई की अलग-अलग रिपोर्ट लेकर आएं।

फिर उठा ई-रिक्शा का मुद्दा

मीटिंग में इस बार भी शहर में गैर अनुशासित घूमती ई-रिक्शाओं का मुद्दा उठा। आर.टी.ए. ने बताया कि 4600 ई-रिक्शाएं एच.आर.-45 नम्बर से रजिस्टर्ड हैं, बाकि नहीं हैं। गैर-सरकारी सदस्यों ने भी इस बिन्दू पर मीटिंग में चर्चा की। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि बस स्टैण्ड, कमेटी चौक, लघु सचिवालय व कोर्ट तथा रेलवे स्टेशन जैसी व्यस्त जगहों पर पुलिस अपनी त्वज्जो बढ़ाए।

सडकों की मरम्मत से सम्बंधित एस्टीमेट बनाए जाने की दी रिपोर्ट-

बता दें कि मासिक बैठक के एजेंडे में सडक सुरक्षा से सम्बंधित पिछले महीनो से लंबित 17 बिन्दू थे। जबकि इस मीटिंग के 24 बिन्दू थे। अधिकारियों ने उपायुक्त को रिपोर्ट दी कि घोघड़ीपुर फाटक, मूनक रोड बाईपास पर कंजैशन खत्म करने के लिए पी.डब्ल्यू.डी. ने एस्टीमेट बना लिया है। बारिश के बाद स्पीड ब्रेकर व रम्बलस्ट्रिप्स बना दी जाएंगी। इसी

प्रकार कुटेल से पिपली खेड़ा तक गड्ढे भरने का काम करने के लिए उक्त विभाग की ओर से 1 करोड़ 18 लाख रुपये का एस्टीमेट बनाकर मुख्यालय को भेजा है, आगामी 15 अगस्त तक यह कार्य हो जाएंगे। कैलाश-टीकरी से इन्द्री रोड पर गड्ढों को दुरूस्त करने के लिए भी 2 करोड़ 58 लाख रुपये का एस्टीमेट बनाया गया है। जबकि सिग्नेचर ग्लोबल से रांवर रोड तक गड्ढों भरने का काम नगर निगम द्वारा किया जाएगा, इसका 7 लाख 19 हजार रुपये टैण्डर लगा दिया गया है। नगर निगम की एक्सईएन प्रियंका सैनी ने रिपोर्ट दी कि नमस्ते चौक पर गड्ढों की मरम्मत, जेब्राक्रॉसिंग, लोहे की ग्रिल तथा सर्विस रोड पर रम्बल स्ट्रिप्स बनाए जाएंगे, इनके लिए अढ़ाई लाख रुपये का अनुमान तैयार कर लिया गया है।

इन बिन्दूओं पर भी हुआ काम-

असंध-जींद बाईपास के करनाल साईड एंट्री पाँयट पर स्पीड ब्रेकर बनाया गया।

* एन.एच. 709ए के परियोजना निदेशक अजय कुमार ने बताया कि पुलिस लाईन के सामने दोनो ओर छोटे-छोटे स्पीड ब्रेकर की शेप में रम्बल स्ट्रिप्स बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि चिड़ाव मोड़ टी-पाँयट पर तीनो साईड स्पीड ब्रेकर बनाए जाएंगे।

* लोक निर्माण विभाग डिविजन-2 के एक्सईएन ने बताया कि कल्पना चावला यूनिवर्सिटी कुटेल के निकट सडक पर खुले मेनहोल को कवर कर दिया गया है।

इन बिन्दूओं पर होगी कार्रवाई, दिए निर्देश

पी.डब्ल्यू.डी. एक्सईएन ने बताया कि गढ़ीबीरबल से यमुनागनर रोड पर मरम्मत का कार्य जल्द शुरू किया जाएगा।

* तरावड़ी बूथ के निकट गड्ढों की मरम्मत की जाएगी।

* उमरपुर इन्द्री से गढ़ीबीरबल रोड, नजदीक नेवल चौक के गड्ढों की मरम्मत भी की जाएगी।

* बीजना और गगसीना मूनक रोड पर मौजूद तीव्र मोड पर साईन बोर्ड लगाए जाएंगे।

* वैस्टर्न जमुना पुल से कैथल रोड पर मौजूद गड्ढों की मरम्मत की जाएगी।

* बस्तली गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के सामने स्टेट हाईवे नम्बर-7 पर दोनो ओर साईन बोर्ड लगाए जाएंगे।

* स्टेट हाईवे नम्बर-7 की निसिंग-सांभली रोड पर मौजूद गड्ढों की मरम्मत की जाएगी।

गैर सरकारी सदस्य बोले

सदस्य संदीप लाठर ने सुझाव दिया कि सडक नियमो की जानकारी के लिए शहर में चौक-चौराहों पर जागरूकता कार्यक्रम किए जाए। प्रमोद गुप्ता ने कहा कि ई-रिक्शा चालकों को अनुशासित करने के लिए कदम उठाए जाएं। रमन मिढ्ढ ने कहा कि अस्पताल चौक से शैफाली रेस्टोरेंट तक वाहनों की भीड़ लगी रहती है, इसकी व्यवस्था सुधारी जाए। गैर सरकारी सदस्य जे.आर. कालड़ा तथा विपिन शर्मा भी मीटिंग में मौजूद रहे।

यह भी रहे उपस्थित

मीटिंग में अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा, एसडीएम करनाल अनुभव मेहता, एसडीएम असंध मनदीप कुमार, एसडीएम घरौंडा अदिति तथा आरटीए निरीक्षक सुरेन्द्र सैनी भी मौजूद रहे।

हार्ट अटैक आने पर किए जाने वाले तत्कालीन उपचार की दी जानकारी

गजब हरियाणा न्यूज

शहजादपुर। राजकीय महिला महाविद्यालय शहजादपुर में महाविद्यालय की रेड क्रॉस सोसाइटी के अंतर्गत रेड क्रॉस सोसायटी अंबाला तथा रेड क्रॉस सोसायटी हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ द्वारा हरियाणा में सीपीआर प्रशिक्षण जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें राज्य प्रशिक्षण अधिकारी रमेश चौधरी तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार द्वारा हार्ट अटैक आने पर किए जाने वाले तत्कालीन उपचार के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्य रजनी भल्ला, महाविद्यालय का समस्त स्टाफ, छात्राएं तथा उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

इसके साथ ही महाविद्यालय में कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष में पौधारोपण सप्ताह का आयोजन भी किया गया जिसमें महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी के नेतृत्व में महाविद्यालय के प्रांगण में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा पौधारोपण किया गया।

केयू के पूर्व प्रो. डॉ. के. आर. अनेजा होंगे उन्नत भारत सेवाश्री से सम्मानित

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग व वनस्पति विज्ञान विभाग के पूर्व प्रोफेसर डॉ. केआर अनेजा को उन्नत भारत सेवाश्री सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। उन्हें यह पुरस्कार विज्ञान एवं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया जा रहा है। गौरतलब है कि प्रो. डॉ. केआर अनेजा ने 2 वर्षों तक पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में चांसलर/गवर्नर द्वारा नामित व्यक्ति के रूप में कार्य किया है। इसके साथ ही

उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन चिकित्सा विज्ञान की शिक्षा को समर्पित किया है तथा जीवन भर सेवा भाव का पालन किया है।

विमुक्त व घुमन्तु जातियों के लोगों के लिए लगाये गये कैम्प का निरीक्षण किया

हरियाणा विमुक्त घुमन्तु जाति विकास बोर्ड के एडवाइजर दल सिंह माल्हाह ने

गजब हरियाणा न्यूज

नारायणगढ़ । हरियाणा विमुक्त घुमन्तु जाति विकास बोर्ड के एडवाइजर दल सिंह माल्हाह ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल का यह प्रयास है कि पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति का उत्थान हो और इसी बात को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के सभी जिलों में विशेष कैम्पों का आयोजन किया जा रहा है। जिनमें परिवार पहचान पत्र, वृद्ध सम्मान भत्ता, आधार कार्ड, राशन कार्ड वोटर कार्ड तथा आय व जाति प्रमाण पत्र से सम्बन्धित जो भी समस्याएं है उनका समाधान किया जाएगा। श्री दल सिंह माल्हाह आज नारायणगढ़ में कम्यूनिटी हॉल में विमुक्त और घुमंतु जाति से सम्बन्धित लोगों के लिए आयोजित कैम्प के निरीक्षण उपरांत मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

इस अवसर पर सीटीएम विश्वजीत सिंह भी मौजूद रहे। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस कैम्प का नोडल विभाग सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जातियां, पिछड़े वर्ग कल्याण तथा अन्तोदय विभाग था।

उन्होंने कहा कि विमुक्त और घुमंतु जाति के अधिकत्तर लोग शिक्षित नहीं है और इस कारण उन्हें योजनाओं का लाभ लेने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। शिविर में एक ही स्थान पर सम्बंधित विभागों के अधिकारी होने से जहां उनके कार्य आसानी से हो जाते है वहीं उन्हें सरकार की योजनाओं की भी जानकारी मिल जाती है। जिससे पात्र लोग उन योजनाओं का लाभ ले सकते है।

इससे पूर्व कैम्प में पहुंचने पर हरियाणा विमुक्त घुमन्तु जाति विकास बोर्ड के एडवाइजर दल सिंह माल्हाह तथा सीटीएम विश्वजीत सिंह को फूलों का गुलदस्ता देकर नगरपालिका प्रधान रिंकी वालिया व पार्षदों ने उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर जिला कल्याण अधिकारी शीशपाल माल्हाह, जिला समाज कल्याण अधिकारी ईश्वर राठी, तहसील कल्याण अधिकारी रूमाल कौर, एमई दिनेश गर्ग, डीएनटी बोर्ड के सदस्य अशोक पाल, भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश पाल नौहनी, वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश बिंदल, कनिष्ठ अभियंता खुशीराम, पार्षद नवीन नामदेव, प्रदीप गोयल, जशन ढींगरा, राजेश धीमान तथा नरेन्द्र पराशर, पूर्व पार्षद भीमसेन गैरा, कुलवंत सिंह, प्रवीण धीमान, रोहित वालिया आदि मौजूद रहे।

हरियाणा में धर्म प्रचार का कार्य पहले की तरह युद्ध स्तर पर करेंगी एसजीपीसी : वरिष्ठ उपप्रधान

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र,शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री अमृतसर द्वारा हरियाणा में धर्म प्रचार का कार्य पहले की तरह युद्ध स्तर किया जाएगा। इसी श्रृंखला में एक विशाल गुरमत समागम अगले माह धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में होगा, जिसमें एसजीपीसी के प्रधान हरजिंदर सिंह धामी एडवोकेट विशेष रूप से शिरकत करेंगे। यह जानकारी एसजीपीसी के वरिष्ठ उपप्रधान बलदेव सिंह कैमपुरी ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री अमृतसर द्वारा हरियाणा में धर्म प्रचार के लिए कुरुक्षेत्र में खोले सिख मिशन हरियाणा कार्यालय में दी। डेरा बाबा चरण सिंह (कार सेवा) के संचालक बाबा अमरीक सिंह का कार्यालय के लिए बिल्डिंग देने के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हुए वरिष्ठ उपप्रधान ने बताया कि गुरबाणी कथावाचक, प्रचारक, रागी जत्थे, ढाडी जत्थे व कविशरी जत्थे अब इस कार्यालय के माध्यम से निर्धारित किए गए कार्यक्रमों में सिख धर्म का प्रचार प्रसार करेंगे। उन्होंने बताया कि करीब 50 कर्मचारियों का स्टाफ यहां कार्यरत है। हालांकि अलग गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी बनने के कारण और स्वार्थ के चलते उनका काफी स्टाफ हरियाणा सरकार द्वारा बनाई गुरुद्वारा कमेटी में चला गया है। फिर भी धर्म प्रचार के लिए स्टाफ की कमी आड़े नहीं आएगी और एसजीपीसी द्वारा हरियाणा में कर्मचारियों की भर्ती भी जल्द की जाएगी। उन्होंने बताया कि पंजाब के गुरुधामों के दर्शन करवाने के लिए फ्री बस की सेवा प्रदेश की संगत को पहले की भांति मिलेगी, जिसके लिए एक बस शीघ्र ही यहां भेजी जाएगी। इसी तरह धर्म प्रचार के लिए प्रदर्शनी बस भी पहले की तरह यहां उपलब्ध होगी। एक प्रश्न के जवाब में वरिष्ठ उपप्रधान ने बताया कि एसजीपीसी द्वारा गुरबाणी प्रसारण के लिए यूट्यूब चैनल शुरू कर दिया गया है, जबकि सेटेलाइट चैनल अगले 3 महीने में चालू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस मौके पर एसजीपीसी धर्म प्रचार कमेटी के मेंबर तजिंद्रपाल सिंह ढिल्लों, सिख मिशन हरियाणा के इंचार्ज बलदेव सिंह ओगरा, एसजीपीसी के पूर्व सचिव परमजीत सिंह दुनिया माजरा, सुखपाल सिंह बुट्टर, जरनैल सिंह बोडी, बूटा सिंह, मंगल सिंह, जोगा सिंह, जसवंत सिंह, बलजीत सिंह बल्ली, सेवा सिंह बोडी पूर्व सरपंच व करनैल सिंह बोडी मौजूद रहे।

संसद ने अभी तक डी-नोटिफाई नहीं किए एसजीपीसी के हरियाणा से चयनित 11 मेंबर : कैमपुरी

एसजीपीसी के वरिष्ठ उपप्रधान बलदेव सिंह कैमपुरी ने बताया कि हरियाणा के ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिबान का प्रबंध 1925 में संसद द्वारा बिल पारित कर बनाई गई एसजीपीसी संभाल रही थी, मगर हरियाणा सरकार की शह पर प्रदेश के ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिबान का जबरन प्रबंधन लिया गया है। उन्होंने इसकी आलोचना करते हुए बताया कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के लिए हरियाणा की 8 सीटों पर 11 मेंबर चुने गए थे, जो आज भी कार्यरत हैं क्योंकि संसद द्वारा उन्हें डी-नोटिफाई नहीं किया गया है। ऐसे में उनके समानांतर नए मेंबर बनाना कानून का उल्लंघन है।

हरियाणा में धर्म प्रचार के लिए 50 सदस्यीय बनाई टीम

एसजीपीसी के वरिष्ठ उपप्रधान बलदेव सिंह कैमपुरी ने बताया कि प्रदेश में सिख मिशन हरियाणा के इंचार्ज बलदेव सिंह ओगरा के नेतृत्व में भाई रणजीत सिंह, बचितर सिंह, इंद्रपाल सिंह, गुरकीरत सिंह, मनमीत सिंह, गुरपाल सिंह, नवजोत सिंह व जसबीर सिंह प्रचारक, ढाडी जत्था भाई रघबीर सिंह खालसा, कविशरी जत्था भाई जोरावर सिंह, गुरबाणी कथावाचक व रागी जत्थों की 50 सदस्यीय टीम बनाई गई हैं। इसके अलावा बलजीत सिंह, जसबीर सिंह, गुरलाल सिंह, महावीर सिंह, बूटा सिंह, शेर सिंह अजराना, मालक सिंह, मलकीत सिंह, बहादुर सिंह, बलबीर कौर व बजिंदर सिंह की कार्यालय में ड्यूटी लगाई गई है।

महारानी अहिल्याबाई होल्कर (पुण्यतिथि 13 अगस्त पर विशेष)

अहिल्याबाई होल्कर सेवा, सरलता, सादगी, मातृभूमि की सच्ची सेविका थीं । इंदौर घराने की महारानी बनने के बाद भी अभिमान उन्हें छू तक नहीं गया था । एक स्त्री होकर भी उन्होंने न केवल नारी जाति के उत्थान के लिए कार्य किये, अपितु समस्त पीड़ित मानवता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया । वह एक उज्जल चरित्र वाली पतिव्रता नारी, ममतामयी मां तथा उदार विचारों वाली महिला थीं ।

अहिल्याबाई होल्कर का जीवन चरित्र

अहिल्याबाई का जन्म 1735 में महाराष्ट्र के ग्राम-पाथडरी में हुआ था । उनके पिता मनकोजी सिंधिया एक सामान्य किसान थे । सादगी और धर्मनिष्ठता से जीवन जीने वाले मनकोजी की अहिल्याबाई एकमात्र सन्तान थीं ।

अहिल्याबाई सीधी-सरल ग्रामीण कन्या थीं । इंदौर के महाराज मल्हार राव होल्कर पूना आते रामय पाथडरी गांव के शिव मन्दिर के पास ठहरे थे । वहां अहिल्या नित्य पूजन के लिए आती थीं । उनके चेहरे पर देवी-सा तेज और सादगी एवं सुलक्षणता को देखकर मल्हार राव ने उन्हें अपनी पुत्रवधू बनाने हेतु उनके पिता से निवेदन किया ।

अहिल्या के पिता के हां कहने पर कुछ दिनों बाद अहिल्या का विवाह मल्हार राव के पुत्र खण्डेराव के साथ सम्पन्न हुआ । एक ग्रामीण कन्या अब इंदौर की महारानी बन चुकी थी । राजमहल पहुंचकर अहिल्या ने अपने जीवन की सादगी और सरलता तनिक भी नहीं छोड़ी थी ।

अपने पति, सास-ससुर, गुरुजनों की सेवा वह पूरी ईमानदारी से करती थीं । उनकी सेवा, उत्तरदायित्व और कर्तव्यनिष्ठा से प्रसन्न होकर मल्हार राव ने अशिक्षित अहिल्या की शिक्षा का प्रबन्ध घर पर ही कर दिया था । शिक्षा में प्रवीणता हासिल करने के बाद उन्होंने उन्हें राजकाज की भी शिक्षा प्रदान की । उन्हें अपने पुत्र की अपेक्षा अपनी पुत्रवधू पर ज्यादा भरोसा था ।

विवाह के बाद अहिल्या ने एक पुत्र और एक पुत्री को जन्म दिया । पुत्र का नाम मालेराव और पुत्री का नाम मुक्ताबाई था । उस समय मराठे हिन्दू राज्य के विस्तार में लगे हुए थे । वे सभी राजाओं से चौथ वसूला करते थे, किन्तु भरतपुर के जाटों ने चौथ देने से इनकार कर दिया । तब मल्हार राव ने अपने पुत्र खण्डेराव सहित भरतपुर पर आक्रमण कर दिया ।

इस संघर्ष में खाण्डेराव मारे गये । 29 वर्ष की अवस्था में वह विधवा हो चुकी थीं । उन्होंने पति की मृत्यु के बाद अपनी जीवनलीला समाप्त करनी चाही । सास-ससुर ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया । मल्हार राव ने अहिल्या को राज्य का भार सौंप दिया । अहिल्या अपने 17 वर्षीय पुत्र मालेराव को सिंहासन पर बिठाकर स्वयं उसकी संरक्षिका बन गयीं ।

इसी बीच उत्तर भारत के एक अभियान में कानवी पीड़ा से मल्हार राव की मृत्यु हो गयी । ससुर की मृत्यु होने पर उन्होंने उनकी स्मृति में इंदौर में तथा अन्य स्थानों पर अनेक विधवाओं, अनाथों, अपंगों के लिए आश्रम खुलवाये । कन्याकुमारी से लेकर हिमालय तक, द्वारिका से लेकर पुरी तक अनेक मन्दिर, घाट, तालाब, बावड़ियां, दान-संस्थाएं, धर्मशालाएं, कुएं, भोजनालय खुलवाये ।

काशी का प्रसिद्ध विश्वनाथ मन्दिर तथा महेश्वर के मन्दिर व घाट बनवाये । उन्होंने साहित्यकारों, गायकों व कलाकारों को भी प्रश्रय दिया था । अहिल्या ने अपने राज्य की रक्षा हेतु अनुशासित सैनिक तथा महिला सैन्य टुकड़ियां बनवाई थी, जिसे यूरोपीय और फ्रांसिसी शैली में प्रशिक्षित करवाया था ।

अहिल्याबाई का पुत्र अत्यन्त विलासी, क्रूर, स्वार्थी और प्रजापीड़क था । उसके दुष्कृत्यों को देखकर अहिल्याबाई का हृदय बड़ा दुखी हो उठता था । वह चाहती थीं कि शासन की बागडोर किसी योग्य के हाथ हो । 1 वर्ष बीतते-बीतते विलासी मालेराव की मृत्यु हो गयी ।

अहिल्या ने इंदौर के शासन की बागडोर अपने हाथों में लेकर गंगाधर नामक व्यक्ति को मन्त्री बना दिया । किन्तु गंगाधर राव ने चाचा रघुनाथ राव के साथ मिलकर इंदौर पर चढ़ाई कर दी । अहिल्या की सेनाओं के आगे वह बिना लड़े ही डरकर भाग गया । उसके राज्य में चोर-डाकुओं का आतंक इस दौरान फैला हुआ था ।

अत: अहिल्याबाई ने यह घोषणा की कि जो कोई इन डाकुओं का दमन करेगा, उसका विवाह वह अपनी पुत्री मुक्ताबाई से कर देंगी । एक साहसी नवयुवक यशवंतराव ने यह बीड़ा उठाया, जिसे पूरा करने पर अहिल्याबाई ने मुक्ता का विवाह उससे कर दिया । इस प्रकार राज्य में शान्ति की स्थापना हुई ।

उपसंहार

अहिल्याबाई ने अपने राज्य के साहूकार, व्यापारियों और शिल्पियों को आर्थिक क्षेत्र में प्रोत्साहन देकर राज्य की आर्थिक दशा सुधार ली । इसके बाद उन्होंने कुछ करो में रियायत कर दी । गो-संस्कृति और बाग-

बगीचों को प्रोत्साहन देने के कारण उसके राज्य में दूध, दही, घी, फूलों और फलों की कभी कमी नहीं रही ।

अहिल्याबाई ने अनाथालय, पुस्तकालय, वाचनालय, विद्यालय, औषधालय, दान-शालाएं स्थापित की । कई प्रकार की कुरीतियों तथा कुप्रथाओं को उन्होंने समाप्त किया । यद्यपि इस बीच उनके दामाद यशवंतराव की मृत्यु हो गयी थी, जिसके वियोग में मुक्ताबाई ने आत्मदाह कर लिया ।

इस आघात से अहिल्या की सास तथा दौहित्र नत्थू भी चल बसा । अहिल्या ने अपने जीवन की सार्थकता मानव-सेवा, प्रजा को सुख और शान्तिपूर्ण शासन देने में ही समझी । इस तरह 72 वर्ष की अवस्था में 13 अगस्त 1795 में उनकी मृत्यु हो गयी । इतने आघातों को सहकर भी उन्होंने इतने महान् कार्य किये ।

फूलन देवी : जिसके नाम से थर्राता था चम्बल (जन्मदिन 10 अगस्त पर विशेष)

फूलन देवी, जिसके नाम से कभी चम्बल का पूरा बीहड़ थर्राता था, यहाँ तक कि फूलन देवी के इलाके में पुलिस भी जाने से कतराती थी. लेकिन ऐसा क्या हुआ था फूलन देवी के साथ जो इस दस्यु सुंदरी को आतंक का पर्याय बनना पड़ा, आइए जानते हैं कुछ रोचक किससे उनकी जन्मदिन के अवसर पर :-

10 अगस्त 1963 को यूपी के एक गाँव में जन्मी फूलन देवी की शादी 11 साल की उम्र में एक वृद्ध आदमी से कर दी गई थी, बचपन से जातिगत भेदभाव की शिकार रही फूलन ने अपनी शादी के बाद भी काफी अत्याचार सहे, जिसके बाद वो भागकर वापिस अपने घर आ गई और अपने पिता के साथ मजदूरी कर पेट पालने लगी, लेकिन कुदरत को कुछ और ही मंजूर था, इसके बाद एक हादसा हुआ, जिसने फूलन देवी की आत्मा को झकझोर कर रख दिया। 15 साल की उम्र में फूलन देवी के साथ गाँव के ही ठाकुरों ने सामूहिक बलात्कार किया। अन्याय की मारी फूलन न्याय के लिए दर-दर भटकी, लेकिन रसूखदारों के आगे उसकी एक न चली।

फिर हुआ फूलन देवी का दूसरा जन्म

औरतों को अबला, असहाय और पांव की जूती समझने वाले पुरुष समाज को सबक सीखने और अपने साथ हुए जघन्य अपराध का बदला लेने के लिए जब फूलन को कोई रास्ता नहीं दिखा तो उसने बन्दुक उठा ली और डकैत बन गई। लेकिन फूलन की राह यहाँ भी आसान नहीं थी, उस समय चम्बल के पुरुष डाकुओं ने भी कई बार उसका शोषण किया। इसी बीच फूलन की मुलाकात विक्रम मल्लाह से हुई, जिसके साथ मिलकर फूलन ने अलग से डाकुओं की गैंग बनाई।

और उसी के साथ मिलकर 1981 में फूलन ने अपने साथ हुए दुष्कर्म का बदला लिए, उसने अपने साथ ज्यादती करने वाले 22 सवर्ण जाती के लोगों को एक लाइन में खड़ाकर गोलियों से भून दिया। इस घटना के बाद चम्बल में फूलन देवी का खौफ व्याप्त हो गया। 2 सालों तक पुलिस भी फूलन को पकड़ने की नाकाम कोशिश करती रही और फूलन अपनी गतिविधियों को अंजाम देती रही। 1983 में जब फूलन देवी का साथी विक्रम मल्लाह पुलिस मुठभेड़ में मारा गया, तब इंदिरा गाँधी के कहने पर फूलन देवी ने आत्मसमर्पण करने का निर्णय लिया।

फूलन देवी का राजनितिक जीवन

लेकिन सरेंडर से पहले फूलन ने सरकार के सामने कुछ शर्तें भी रखी, फूलन ने शर्त रखी कि, उसके किसी साथी को मृत्युदंड नहीं दिया जाएगा, उसके किसी भी साथी को 8 साल से ज्यादा कारावास नहीं होगा। सरकार द्वारा इन शर्तों को मानने के बाद फूलन ने आत्मसमर्पण कर दिया। लेकिन खुद फूलन को जेल में 11 साल बिताने पड़े। जिसके बाद समाजवादी पार्टी के सत्ता में आने पर उन्हें बाहर निकला गया। 1994 में फूलन देवी ने अपनी राजनितिक पारी शुरू की और वो मिर्जापुर से चुनाव लड़कर समाजवादी पार्टी से संसद बन गई।

वर्ष 2001 में शेर सिंह राणा ने सवर्णों की मौत का बदला लेने के लिए फूलन देवी की उनके

दिल्ली स्थित निवास पर ही गोली मारकर हत्या कर दी। महज 38 साल की उम्र में फूलन देवी देश को एक सबक सीखा गई कि जब अत्याचार हद से बढ़ जाता है तो चूड़ी पहनने वाले हाथों को भी बंदूक उठानी पड़ती है।

दही जमा देनें वाला हाबूर पत्थर

दही जमाने के लिए लोग अक्सर जामन ढूंढ़ते नजर आते हैं। वहीं राजस्थान के जैसलमेर जिले में स्थित इस गांव में जामन की जरूरत नहीं पड़ती है। यहां ऐसा पत्थर है जिसके संपर्क में आते ही दूध जम जाता है। इस पत्थर पर विदेशों में भी कई बार रिसर्च हो चुकी है। फॉरेनर यहां से ले जाते हैं इस पत्थर के बने बर्तन।।

स्वर्णनगरी जैसलमेर का पीला पत्थर विदेशों में अपनी पहचान बना चुका है। इसके साथ ही जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर स्थित हाबूर गांव का पत्थर अपने आप में विशिष्ट खूबियां समेटे हुए है। इसके चलते इसकी डिमांड निरंतर बनी हुई है। हाबूर का पत्थर दिखने में तो खूबसूरत है ही, साथ ही उसमें दही जमाने की भी खूबी है। इस पत्थर का उपयोग आज भी जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में दूध को जमाने के लिए किया जाता है। इसी खूबी के चलते यह विदेशों में भी काफी लोकप्रिय है। इस पत्थर से बने बर्तनों की भी डिमांड बढ़ गई है।

कहा जाता है कि जैसलमेर पहले अथाह समुद्र हुआ करता था और कई समुद्री जीव समुद्र सूखने के बाद यहां जीवाश्म बन गए व पहाड़ों का निर्माण हुआ। हाबूर गांव में इन पहाड़ों से निकलने वाले इस पत्थर में कई खनिज व अन्य जीवाश्मों की भरमार है। जिसकी वजह से इस पत्थर से बनने वाले बर्तनों की भारी डिमांड है। साथ ही वैज्ञानिकों के लिए भी ये पत्थर शोध का विषय बन गया है। इस पत्थर से सजे दुकानों पर बर्तन व अन्य सामान पर्यटकों की खास पसंद होते हैं और जैसलमेर आने वाले वाले लाखों देसी विदेशी सैलानी इसको बड़े चाव से खरीद कर अपने साथ ले जाते हैं।

क्यों है खास हाबूर का पत्थर

इस पत्थर में दही जमाने वाले सारे कैमिकल मौजूद है। विदेशों में हुए रिसर्च में ये पाया गया है कि इस पत्थर में एमिनो एसिड, फिनायल एलिनिया, रिफ्टाफेन टायरोसिन हैं। ये कैमिकल दूध से दही जमाने में सहायक होते हैं। इसलिए इस पत्थर से बने कटोरे में दूध डालकर छोड़ देने पर दही जम जाता है । इन बर्तनों में जमा दही और उससे बनने वाली लस्सी के पयर्टक दीवाने हैं। अक्सर सैलानी हाबूर स्टोन के बने बर्तन खरीदने आते हैं। इन बर्तनों में बस दूध रखकर छोड़ दीजिए, सुबह तक शानदार दही तैयार हो जाता है, जो स्वाद में मीठा और सौंधी खुशबू वाला होता है। इस गांव में मिलने वाले इस स्टोन से बर्तन, मूर्ति और खिलौने बनाए जाते हैं। ये हल्का सुनहरा और

चमकीला होता है। इससे बनी मूर्तियां लोगों को खूब अट्रैक्ट करती हैं।

पेड़ के अंदर है इस बुजुर्ग की 45 साल पुरानी चाय की दुकान

मेहनत और सेवा, ये दो चीज़ें ही आपको ज़िंदगी में सम्मान दिलाती हैं। अमृतसर का एक चाय वाला इस बात का जीता-जागता उदाहरण है। 80 वर्षीय इस बुज़ुर्ग को देख कर आनंद महिंद्रा भी तारीफ़ करते नहीं थक रहे। जनता भी इनका वीडियो देख कर ढेर सारा प्यार दे रही है। भारत में चाय के शौक़ीनों की कोई कमी नहीं है। हर नुक्कड़-चौराहे पर एक चाय की टपरी मिल ही जाती है। अमृतसर में भी एक ऐसी ही चाय की दुकान है। बरगद के पेड़ की विशाल जटाओं के अंदर बनी ये चाय की दुकान 45 साल से ज़्यादा पुराना है। 80 वर्षीय एक बुज़ुर्ग इस चाय की दुकान को चलाते हैं. एक स्थानीय ग्राहक वीडियो में बताता है कि 'इन बाबा का नाम अजीत सिंह है. बाबा 45 साल से दुकान चला रहे हैं। इन्हें पैसे से कोई लगाव नहीं है.द्य। बहुत ज़्यादा मेहनत करते हैं. चाय के बर्तन कितनी बार चोरी हुए, मगर इन्होंने कभी शिकायत नहीं की। दानी स्वभाव है। कभी किसी से चाय के पैसे नहीं मांगते। जो देता है ठीक है।' बाबा से जब पूछा गया कि वो इस उम्र में इतना काम कर के थकते नहीं है। तो उन्होंने कहा, 'चलता रहूंगा तो चंगा रहूंगा। बैठ गया तो रह गया।' वो कहते हैं कि 'कोई पैसा नहीं देता तो कोई बात नहीं, सेवा करने को तो मिल रही।' अमृतसर के चाय वाले ये बाबा ऐसी ही कई बातें कह जाते हैं, जिनके मतलब बहुत गहरे होते हैं।

आनंद महिंद्रा ने की तारीफ़

आनंद महिंद्रा ने बाबा की चाय की दुकान को 'Temple of Tea Service' कहा है। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'अमृतसर में देखने लायक बहुत कुछ है, लेकिन अगली बार जब मैं शहर का दौरा करूंगा, तो स्वर्ण मंदिर के दर्शन के अलावा, मैं इस 'चाय सेवा के मंदिर' का दौरा करने का भी ध्यान रखूंगा जिसे बाबा ने 40 सालों से ज़्यादा समय से चलाया है।

अमृतवाणी

संत शिरोमणि गुरु रविदास जिओ की

किआ तुं सोईआ जाग ईआना ।।तैं जीवन जगु सचि करि जाना ।।(रहाउ)

व्याख्या : श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र अमृतवाणी में फरमान करते हुए कहते हैं कि हे जीव !तुं इस संसार में अज्ञानता रुपी नींद में कयुं सोया हुआ है ?तुं इस संसार को सच समझ बैठा है वास्तव में यह संसार नाशवान है । इसलिए भाई अज्ञानता रुपी नींद से जागकर प्रभु को याद कर।

धन गुरुदेव जी

उदासी या मुस्कान

एक बार गौतम बुद्ध किसी गाँव से गुजर रहे थे। उस गाँव के लोगों को गौतम बुद्ध के बारे में गलत धारणा थी जिस कारण वे बुद्ध को अपना दुश्मन मानते थे। जब गौतम बुद्ध गाँव में आये तो गाँव वालों ने बुद्ध को भला बुरा कहा और बदुआएं देने लगे।

गौतम बुद्ध गाँव वालों की बातें शांति से सुनते रहे और जब गाँव वाले बोलते बोलते थक गए तो बुद्ध ने कहा 'अगर आप सभी की बातें समाप्त हो गयी हो तो मैं प्रस्थान करूँ।' बुद्ध की बात सुनकर गाँव वालों को आश्चर्य हुआ। 'उनमें से एक व्यक्ति ने कहा 'हमने तुम्हारी तारीफ नहीं की है। हम तुम्हे बदुआएं दे रहे है। क्या तुम्हे कोई फर्क नहीं पड़ता?'

बुद्ध ने कहा 'जाओ मैं आपकी गालियाँ नहीं लेता। आपके द्वारा गालियाँ देने से क्या होता है, जब तक मैं गालियाँ स्वीकार नहीं करता इसका कोई परिणाम नहीं होगा। कुछ दिन पहले एक व्यक्ति ने मुझे कुछ उपहार दिया था लेकिन मैंने उस उपहार को लेने से मना कर ।दिया तो वह व्यक्ति उपहार को वापस ले गया। जब मैं लूंगा ही नहीं तो कोई मुझे कैसे दे पाएगा।'

बुद्ध ने बड़ी विनम्रता से पूछा 'अगर मैंने उपहार नहीं लिया तो उपहार देने वाले व्यक्ति ने क्या किया होगा।' भीड़ में से किसी ने कहा 'उस उपहार को व्यक्ति ने अपने पास रख दिया होगा।'

बुद्ध ने कहा 'मुझे आप सब पर बड़ी दया आती है क्योंकि मैं आपकी इन गालियों को लेने में असमर्थ हूँ और इसलिए आपकी यह गालियाँ आपके पास ही रह गयी है।'

काफ़ी साईं बुल्ले शाह : 1

आ मिल यार सार लै मेरी

आ मिल यार सार लै मेरी, मेरी जान दुक्खां ने घेरी ।

अन्दर खाब विछोड़ा होया, खबर ना पैंदी तेरी ।
सुंञे बन विच लुट्टी साईआं, सूर पलंग ने घेरी ।

इह तां ठग्ग जगत दे, जेहा लावन जाल चफेरी ।
करम शर्हा दे धरम बतावन, संगल पावन पैरीं ।

जात मज्हब इह इश्क ना पुच्छदा, इश्क शर्हा दा वैरी ।
नदियों पार मुल्क सजन दा लहवो–लआब ने घेरी ।

सतिगुर बेड़ी फड़ी खलोती तैं क्यों लाई आ देरी ।
प्रीतम पास ते टोलना किस नूं, भुल्ल गयों सिखर दुपहरी ।

बुल्लहा शाह शौह तैनूं मिलसी, दिल नूं देह दलेरी ।
आ मिल यार सार लै मेरी, मेरी जान दुक्खां ने घेरी ।

झेन कथा

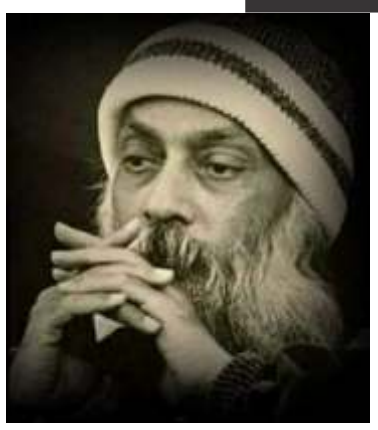

एक दिन सदगुरु पेन ची ने आश्रम में बुहारी दे रहे भिक्षु से पूछा, भिक्षु, क्या कर रहे हो? भिक्षु बोला, जमीन साफ कर रहा हूं भंते। सदगुरु ने तब एक बहुत ही अदभुत बात पूछी—झेन फकीर इस तरह की बातें पूछते भी हैं, पूछा—यह बुहारी देना तुम बुद्ध के पूर्व कर रहे हो, या बुद्ध के पश्चात?

अब यह भी कोई बात है! बुद्ध को हुए हजारों साल हो गए, अब यह सदगुरु जो स्वयं बुद्धत्व को उपलब्ध है, यह बुहारी देते इस भिक्षु से पूछता है कि यह बुहारी देना तुम बुद्ध के पूर्व कर रहे हो, या बुद्ध के पश्चात? प्रश्न पागलपन का लगता है। मगर परमहंसों ने कई बार पागलपन की बातें पूछी हैं, उनमें बड़ा अर्थ है।

जीसस से किसी ने पूछा है कि आप अब्राहम के संबंध में क्या कहते हैं?

अब्राहम यहूदियों का परमपिता, वह पहला पैगंबर यहूदियों का। इस बात की बहुत संभावना है कि अब्राहम राम का ही दूसरा नाम है—अब राम का। अब सिर्फ आदर—सूचक है, जैसे हम श्रीराम कहते हैं, ऐसे अब राम, अब राम से अब्राहम बना, इस बात की बहुत संभावना है। लेकिन अब्राहम पहला प्रोफेट है, पहला पैगंबर, पहला तीर्थंकर है यहूदियों का, मुसलमानों का, ईसाइयों का। उससे तीनों धर्म पैदा हुए।

तो किसी ने जीसस से पूछा कि आप अब्राहम के संबंध में क्या कहते हैं? तो जीसस ने कहा, मैं अब्राहम के भी पहले हूं। हो गयी बात पागलपन की! जीसस कहा हजारों साल बाद हुए हैं, लेकिन कहते हैं, मैं अब्राहम के भी पहले हूं।

इस झेन सदगुरु पेन ची ने इस भिक्षु से पूछा, यह बुहारी देना तुम बुद्ध के पूर्व कर रहे हो या बुद्ध के पश्चात? पर भिक्षु ने जो उत्तर दिया, वह गुरु के प्रश्न से भी गजब का है! भिक्षु ने कहा, दोनों ही बातें हैं, बुद्ध के पूर्व भी और बुद्ध के पश्चात भी। बोथ, बिफोर एंड आफ्टर। गुरु हंसने लगा। उसने पीठ थपथपायी।

इसे हम समझें। बुद्ध को हुए हो गए हजारों वर्ष, वह गौतम सिद्धार्थ बुद्ध हुआ था, पर बुद्ध होना उस पर समाप्त नहीं हो गया है। आगे भी बुद्ध होना जारी रहेगा। इस बुहारी देने वाले भिक्षु को भी अभी बुद्ध होना है। इसलिए प्रत्येक घटना दोनों है—बुद्ध के पूर्व भी, बुद्ध के पश्चात भी। बुद्धत्व तो एक सतत धारा है। एस धम्मो सनंतनो। हम सदा बीच में हैं। हमसे पहले बुद्ध हुए हैं, हमसे बाद बुद्ध होंगे, हमको भी तो बुद्ध होना है। गौतम पर ही थोड़े बात चुक गयी।

लेकिन हमारी नजरें अक्सर सीमा पर रुक जाती हैं। हमने देखा गौतम बुद्ध हुआ, दीया जला, हम दीए को पकड़कर बैठ गए—ज्योति को देखो, ज्योति तो सदा से है। इस दीए में उतरी, और दीयों में उतरती रही है, और दीयों में उतरती रहेगी। तो जीसस ठीक कहते हैं कि अब्राहम के पहले भी मैं हूं। यह मेरी जो ज्योति है, यह कोई ऐतिहासिक घटना नहीं है, यह तो शाश्वत है, यह सनातन है, अब्राहम बाद में हुआ, इस ज्योति के बाद हुआ, इस ज्योति के कारण ही हुआ, जिस ज्योति के कारण मैं हुआ हूं। यह परम ज्योति है। यह परम ज्योति शाश्वत है। न इसका कोई आदि है, न इसका कोई अंत है।

बुद्ध ने अपने पिछले जन्मों के बुद्धों का उल्लेख किया है—चौबीस बुद्धों का उल्लेख किया है। एक उल्लेख में कहा है कि उस समय के जो बुद्धपुरुष थे, उनके पास मैं गया। तब गौतम बुद्ध नहीं थे। झुककर बुद्धपुरुष के चरण छुए। उठकर खड़े हुए थे कि बहुत चौंके, क्योंकि बुद्ध ने झुककर उनके चरण छू लिए। तो वे बहुत घबडाए, उन्होंने कहां, मैं आपके चरण छुऊं, यह तो ठीक है; अंधा आंख वाले के सामने झुके, यह ठीक है; लेकिन आपने मेरे चरण छुए, यह कैसा पाप मुझे लगा दिया! अब मैं क्या करूं?

वे बुद्ध हंसने लगे। उन्होंने कहा, तुझे पता नहीं, देर— अबेर तू भी बुद्ध हो जाएगा। हम शाश्वत में रहते हैं, क्षणों की गिनती हम नहीं रखते; मैं आज हुआ बुद्ध, तू कल हो जाएगा, क्या फर्क है? आज और कल तो सपने में हैं। आज और कल के पार जो है—शाश्वत—मैं वहा से देख रहा हूं।

फिर तो जब बुद्ध को स्वयं बुद्धत्व प्राप्त हुआ—गौतम को बुद्धत्व प्राप्त हुआ—तो पता है उन्होंने क्या कहा? उन्होंने कहा कि जिस दिन मुझे बुद्धत्व प्राप्त हुआ, उस दिन मैंने आंख खोली और तब मैं समझा उस पुराने बुद्ध की बात, ठीक ही तो कहा था, जिस दिन मुझे बुद्धत्व उपलब्ध हुआ उस दिन मैंने देखा कि सबको बुद्धत्व की अवस्था ही है—उनको पता नहीं है लोगों को, लेकिन है तो अवस्था। अब मेरे पास अंधे लोग आते हैं, लेकिन मैं जानता हूं आंखें बंद किए बैठे हैं। आंखें उनके पास हैं—उन्हें पता न हो, उन्होंने इतने दिन तक आंखें बंद रखी हैं कि भूल ही गए हों, कभी शायद खोलीं ही नहीं, शायद बचपन से ही बंद हैं, शायद जन्मों से बंद हैं।

बुद्ध कहते हैं, अब मेरे पास कोई आता है, तो वह सोचता है कि उसे कुछ पाना है, और मैं उसके भीतर देखता हूं कि ज्योति जली ही हुई है, जरा नजर भीतर ले जानी है। जरा अपने को ही तलाशना और अपने को ही खोजना और टटोलना है। **ओशो**

बौद्ध भिक्षु ह्वेनसांग

बौद्ध भिक्षु ह्वेनसांग भारत में सोलह साल के प्रवास के बाद वापस चीन जा रहे है तो वह जार जार रोये थे। बुद्ध भूमि भारत के प्रति कितना प्रेम व श्रद्धा थी। एक झलक देखिए.....

सोलह साल की भारत यात्रा के बाद जब ह्वानसांग नालंदा विश्वविद्यालय छोड़ रहे थे तो वहां के विद्यार्थियों व आचार्यों को मालूम हुआ कि ह्वानसांग चीन जाने की तैयारी में है। सभी इकट्ठे होकर उनसे आग्रह करने लगे--अब आप हम लोगों से जुदा ना होएं। भारत बुद्ध की पावन भूमि है। चीन इतनी पावन नहीं हो सकती. इसलिए हर दृष्टि से आपको यही रहना चाहिए।

ह्वानसांग अब भारतीय साहित्य के विद्वान थे, उसी शैली में उन्होंने उत्तर दिया–

भगवान बुद्ध का धम्म संपूर्ण विश्व के लिए है, भला चीन को इस अनमोल रत्न से कैसे वंचित रखा जा सकता है। मै बहुत और खुशी के साथ विदा हो रहा हूं। चीन में भी भगवान की वाणी पहुंचे इसके लिए मुझे जाना होगा।

चिंता का यह समाचार जब नालंदा विश्वविद्यालय के प्रधान आचार्य शीलभद्र ने सुना तो उन्होंने ह्वानसांग को बुलाकर कहा, आपने चीन लौटने का फैसला क्यों किया?

ह्वानसांग ने विनम्रता से कहा–

यह देश बुद्ध की जन्म भूमि है इसके प्रति मेरा गहरा स्नेह व अथाह श्रद्धा है। मेरा यहां आने का सिर्फ एक मकसद था, अपने देशवासियों की भलाई के लिए उस महान बुद्ध धम्म की पूरी जानकारी हासिल करना। जहां–जहां गौतम के चरण पड़े, देशना दी, उन्हें मैं अपनी आंखों से देखूं, वंदन व नमन करूं।

अब मैं चाहता हूं कि वापस चीन जाकर जो कुछ मैंने यहां देखा, सुना व पढ़ा है उन ग्रंथों का चीनी भाषा में अनुवाद करूं और मेरे देशवासियों को समझाऊं ताकि पूरा देश बुद्ध उनके धम्म और भारत भूमि के प्रति मेरे ही जितना कृतज्ञ हो सकें।

सम्राट हर्षवर्धन को यह खबर मिली तो बहुत चिंतित हुए और ह्वानसांग को कुछ समय के लिए फिर अपने राजमहल में विशिष्ट अतिथि के रूप में रखा। और बाद में अभूतपूर्व विदाई देकर सीमा तक विशेष सुरक्षा दल साथ भेजा।

भवतु सब्बं मंगलं...सबका कल्याण हो...सभी प्राणी सुखी हो।

आलेख: डॉ. एम एल परिहार, जयपुर–9414242059

आई फ्लू में कैसे करें आंखों की देखभाल

त्रिफला को उबालकर इस गुनगुने पानी से आंखों को धोने से आई फ्लू इंफेक्शन से पा सकते है छुटकारा– डॉ मनोज तंवर

बच्चों में तेजी से फैल रहे आई फ्लू ने अभिभावकों की चिंता को बढ़ा दी है। श्रीकृष्णा आयुष विश्वविद्यालय के आयुर्वेदिक अस्पताल में रोजाना 15 से 20 मरीज आई फ्लू के पहुंच रहे हैं। डॉक्टर की माने तो आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति में इसे अभिष्यंद संक्रामक (कंटेजिअस) बीमारी में इसकी गणना की जाती है। जो एक दूसरे के संपर्क में आने से तेजी से फैलती है।

शालक्य विभाग (नेत्र रोग) विशेषज्ञ डॉ. मनोज तंवर ने बताया कि आई फ्लू एक संक्रामक बीमारी है जो बारिश के मौसम में ज्यादा फैलती है, क्योंकि यह मौसम इस बीमारी के अनुकूल होता है। इस मौसम में आंखों और पेट के संक्रमण का खतरा सबसे अधिक रहता है। वैसे तो यह खतरनाक बीमारी नहीं है मगर आंखों में होने के कारण कष्टदायक होती है। एहतियात और आयुर्वेदिक ड्रॉप के इस्तेमाल से इस बीमारी से बचा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि प्रतिदिन रोगी को त्रिफला को उबालकर छान लें और इस गुनगुने पानी से दो से तीन बार आंखों को धोना चाहिए। जिससे आई फ्लू इंफेक्शन जैसी समस्या दूर हो सकती है।

आई फ्लू के लक्षण

आंखों का लाल होना, आंखों मे दर्द, खुजली, आंखों से पानी आना, आंखों में सूजन होना, आंखों में चुभन होना, आंखों में चिपचिपापन और तरल गंदगी जमा होना।

ऐसे करें बचाव

डॉ. मनोज तंवर ने बताया कि अगर परिवार में किसी को आई फ्लू हुआ है तो उसके संपर्क में आने से बचें। हाथों को नियमित रूप से साबुन से साफ करते रहें। रोगी के बर्तन व कपड़ो का इस्तेमाल न करें। रोगी बार–बार संक्रमित आंख पर हाथ न लगाएं। अगर आंखों को छुए तो हाथों को अच्छी तरह से साफ करें। इसके साथ ही रोगी का पित न बढ़े, इस बीमारी के दौरान मसालेदार और गर्म पदार्थों के सेवन से जरूर बचें। उन्होंने कहा कि अगर आंखों में सूजन और लालपन है तो तुरंत विशेषज्ञ डॉक्टर से परामर्श करें। इसके साथ ही डॉक्टर की सलाह के बिना किसी भी मेडिकल स्टोर से दवाई लेकर आंखों में न डालें। इससे संक्रमण का खतरा ज्यादा बढ़ सकता है। क्योंकि मेडिकल स्टोर से जो आई ड्रॉप लिया जाता है उसमें स्ट्रियोड की उपस्थिति होती है जिससे व्यक्ति के देखने की क्षमता प्रभावित हो सकती है और आंखों में फोला रोग होने का भी खतरा बढ़ सकता है।

बाढ़ प्रभावित पंचायतों को विकास कार्यो के लिए दिया जाएगा हर संभव बजट : आभीर

विकास एवं पंचायत विभाग की प्रमुख योजनाओं के संचालन पर डॉ. मंगलसेन आडिटोरियम में प्रशिक्षण शिविर, जिला के सरपंचों पंचायत समिति व जिला परिषद सदस्यों, ग्राम सचिवों, बीडीपीओ, जेई, एसडीओ, एक्सईएन आदि ने भाग लिया।

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । विकास एवं पंचायत विभाग के निदेशक जयकिशन आभीर के ने कहा कि बाढ़ से जिन गांवों में सडकों, गलियों, नालियों, रास्तों, पेयजल लाईनों आदि को नुकसान पहुंचा है, वहां पर सरकार द्वारा इन पंचायतों को यथासंभव बजट उपलब्ध करवाया जाएगा ताकि गांवों में विकास की गति को तेज किया जाया सके।

निदेशक आभीर आज यहां मंगलसेन आडिटोरियम में विकास एवं पंचायत तथा ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं के संचालन को लेकर आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। शिविर में विभाग के अतिरिक्त निदेशक सतेंद्र दूहन, मुख्य अभियंता शंकर जिंदल, संयुक्त निदेशक जितेंद्र जोशी, जिला परिषद के सीइओ गौरव कुमार, जिला के सरपंचों, पंचायत समिति व जिला परिषद सदस्यों, ग्राम सचिवों, बीडीपीओ, जेई, एसडीओ, एक्सईएन आदि ने भाग लिया। शिविर में कई सरपंचों ने निदेशक को बताया कि वे इस वर्ष की सारी राशि विकास कार्यों पर खर्च कर चुके हैं लेकिन हाल की बाढ़. के कारण गांवों में सडकों, गलियों, स्कूलों, रास्तों आदि को भारी नुकसान पहुंचा है। ऐसे में मरम्मत अथवा विकास कार्यों के लिये अब उनके पास राशि नहीं बची है। इस पर निदेशक ने सरपंचों को आश्वस्त किया है सरकार से यथासंभव सहायता कराई जायेगी।

निदेशक आभीर ने बताया कि शिविर में स्टेट नोडल अकाउंट और जिला चाइल्ड अकाउंट के बारे में पंचायत प्रतिनिधियों को जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि अब भुगतान की व्यवस्था ऑनलाईन की गई है। इस व्यवस्था में सारा राशि स्टेट नोडल अकाउंट में रखी गई है। चाइल्ड अकाउंट धारक जरूरत इस अकाउंट से निकलवा सकता है। एचडीएफसी, इंडियन बैंक और सेंट्रल बैंक के प्रतिनिधियों ने अकाउंट संचालन के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा केंद्रीय वित्त आयोग, राज्य वित्त आयोग, हरियाणा ग्रामीण विकास योजना, मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन से संबंधित योजनाओं और भुगतान प्रक्रिया की जानकारी दी गई। साथ ही च्मेकरज्ज् व च्चैकरज्ज् के बारे में सरपंचों को दी गई। बताया गया वे सरकारी जानकारी डैशबोर्ड पर देख सकते हैं और ग्राम दर्शन पोर्टल पर किए गए कार्य को चढ़ा सकते हैं।

एक पेड़ विश्वास का

निदेशक ने सरपंचों से अपील की कि वे 1 से 7 अगस्त तक आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम को सफल बनायें। बताया कि हर पंचायत में सातों दिनों में अलग-अलग गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। अंतिम दिन पौधारोपण किया जायेगा। पौधे लगाने का लक्ष्य पंचायतें खुद तक करेंगी।

अतिरिक्त निदेशक सतेंद्र दूहन ने बताया कि पंचायतों की आय के तीन मुख्य स्रोत है। पहला पंचायती जमीन पट्टे पर देने, दुकान आदि को किराये पर देने से दूसरा केंद्रीय वित्त आयोग और तीसरा राज्य वित्त आयोग से मिलने वाली ग्रांट। केंद्र से आने वाली राशि सीधी पंचायत के खाते में आती है। राज्य सरकार की राशि पहले एक खाते में आती है, उसके बाद हर पंचायत के लिये एक सीमा तय की जाती है। इस सीमा से अधिक राशि नहीं निकाली जा सकती है। राज्य से मिलने वाली राशि पर सीमा तो तय है लेकिन उस पर बहुत बंधन नहीं है जबकि केंद्र से मिलने वाली राशि किन-किन कार्यों पर खर्च की जायेगी इसके लिये अनुपात तय है। खुद के स्रोतों से अर्जित राशि पंचायत इच्छानुसार ग्राम हित में कहीं भी खर्च कर सकती है।

एक्सईएन विनश ने ई ग्राम पोर्टल और पंचायतों की बेवसाइट और ग्राम पंचायत डेवल्पमेंट प्लान(जीपीडीपी) के बारे में बताया। अपील की कि पंचायतें अपने कार्यों को।

43 करोड़ से अधिक मिले

बीडीपीओ मनोज कौशल ने बताया कि केंद्रीय वित्त आयोग से करनाल जिला को 43 करोड़ 85 लाख रुपये मिले हैं। इस राशि में से 75 प्रतिशत पंचायतों को, 15 प्रतिशत पंचायत समितियों को और 10 प्रतिशत जिला परिषद को मिलेंगे। केंद्र से अगली राशि तभी मिलेगी जब पहले मिली राशि में से 50 प्रतिशत खर्च कर दी गई हो। राज्य वित्त आयोग से करनाल को 68 करोड़ 74 लाख रुपये मिले हैं इसमें से अब तक करीब 14 करोड़ ही खर्च किये गये हैं।

फिरनी पर लगेंगी स्ट्रीट लाईट

मुख्य अभियंता शंकर जिंदल ने बताया कि सरकार ने अभी करनाल सहित 5 जिलों का चयन किया है जिनमें हर ब्लाक के 5 बड़े गांवों(5 हजार से अधिक आबादी वाले) में फिरनी पर स्ट्रीट लाइटें लगाई जायेंगी। उन्होंने गांवों में ई-लाईब्रेरी स्थापित करने की बात भी कही। संजीव भारद्वाज ने स्वच्छ भारत मिशन पर प्रकार डाला और पंचायतों को कचरा प्रबंधन व उसके निस्तारण की अपील की।

बदलाव सोशल सोसाइटी ने कोटडा में की दूसरे ऑनलाइन क्लास रूम की स्थापना

डॉ राज रूप फुलिया ने किया गांव सोगल और भाणा गांव के पुस्तकालयों का भ्रमण, ऑनलाइन क्लास रूम बनाने के लिए किया प्रेरित

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कैथल । आधुनिक शिक्षा से वंचित छात्रों को अग्रिम पंक्ति में लाने के लिए बदलाव सोशल सोसायटी हरियाणा द्वारा जिले में दूसरा सराहनीय कार्य किया है। सोसाइटी ने डॉ भीमराव अंबेडकर पुस्तकालय गांव कोटडा में अपने दूसरे ऑनलाइन क्लास रूम की स्थापना की। जिसके द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर बहुआयामी प्रशिक्षण संस्थान कैथल के द्वारा प्रसारित की जा रही एन.एम.एम.एस व बुनियाद और दसवीं क्लास के मैथ का प्रसारण ऑनलाइन किया जाएगा। जिसके द्वारा करीबन 10 बच्चे एन.एम.एम.एस और 16 बच्चे गणित के ऑनलाइन जुड़ेंगे। इस कार्यक्रम में डॉ राज रूप फुलिया रिटायर्ड आईएएस पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा सरकार, मान्यवर बिजेंदर रिटायर्ड एसपी होमगार्ड ,डॉ. रमेश सिरोही प्रोफेसर विधि विभाग कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी व टीम बदलाव के सभी सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम के बाद डॉ. राज रूप फुलिया ने साहू जी महाराज पुस्तकालय गांव सोगल और डॉ भीमराव अंबेडकर पुस्तकालय गांव भाणा को भी भ्रमण किया और इन पुस्तकालय में भी ऑनलाइन क्लासरूम बनाने की वहां की टीमों से गुजारिश की। बदलाव सोशल सोसायटी हरियाणा को ऑनलाइन क्लासरूम बनाने के लिए एलईडी मान्यवर केवल कृष्ण यूके द्वारा करीबन बीस हजार की लागत से उपलब्ध कराई गई है। उम्मीद है गांव कोटडा के बच्चे इस ऑनलाइन कोचिंग का पूरा फायदा उठाएंगे। डॉ. भीमराव अंबेडकर बहुआयामी प्रशिक्षण संस्थान कैथल भी पूरे हरियाणा के सरकारी स्कूल के बच्चों के शिक्षण स्तर में सुधार करने के लिए लगातार प्रयास करता रहेगा।

आज का इंसान असलियत से कोसों दूर : स्वामी ज्ञाननाथ

मृत्यु लोक में कोई भी वस्तु स्थिर नहीं है। जो आज है वह कल नहीं :महामंडलेश्वर

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

अम्बाला । निराकारी जागृति मिशन नारायणगढ़ के गद्दी नशीन चेयरमैन और संत सुरक्षा मिशन भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ ने रूहानी प्रवचनों में फरमाया कि जब मनुष्य द्वारा चंचल, चपल और चलायमान मन तथा अल्प बुद्धि, मूढ मान्यताओं के आधार पर बनाए गए रंग रूप आकार-प्रकार के काल्पनिक जड़ भगवान की पूजा अर्चना करने से, अनेकों धार्मिक ग्रंथों और वेदों शास्त्रों, उपनिषदों,पुराणों तथा महापुराणों का पठन-पाठन करने से, बाहर मुखी अनेकों प्रकार के धार्मिक कर्मकांड करने से, तीर्थों पर भ्रमण और स्नान आदि करने से, इधर-उधर से उधारी ली गई अनेकों जानकारियों से, जगह जगह जाकर लोगों के मुखारविंद से अनेकों प्रकार के लच्छेदार विचार सुनने से, मन और बुद्धि के आधार पर निरर्थक बहसबाजी करने से, लौकिक शब्दों के मकड़जाल से और मनुष्य द्वारा लाख कोशिशें करने के बावजूद भी जीवन में कुछ परिवर्तन नहीं आता और उसकी आध्यात्मिक यात्रा वहीं खड़ी हो जहां से उसने यात्रा की शुरुआत की थी। ऐसी असमंजस मे साधक यह सोचने विचारने पर मजबूर हो जाता है कि अब क्या करुं और क्या ना करुं। जो मैं चाहता हूं वह मिलता नहीं, अगर कुछ मिलता है तो ज्यादा समय तक मेरे पास ठहरता नही, अगर कुछ समय मेरे पास ठहरता है तो उसमे मेरी संतुष्टी नही होती। परंतु अब प्रश्न यह उठता है कि ऐसी स्थिति में क्या किया जाए, किस गुरु को मिला जाए, किस पूजा पद्धति, योग युक्ति को अपनाया जाए।

किस दिशा में और कैसे कदम उठाए जाएं अगर ब्रह्मज्ञान और तीव्र विवेक की दृष्टि से देखा जाए आज जो जीव कर रहा है वह उससे बिल्कुल उल्ट कर रहा है जो हमारे तत्वदर्शी संत महापुरुषों ने करने के लिए कहा था। आज भारत की सनातन, सत्यम-शिवम-सुंदरम संस्कृति, संत मत और आध्यात्मिक सिद्धांत किस कगार पर पंहुच गए। आज के भौतिकवाद, स्वार्थवाद, पदार्थवाद, बनावट, सजावट और दिखावट के चलते दौर में आज का इंसान असलियत से कोसों दूर चला गया है। यश-मान, कीर्ती, वाह-वाही लूटने के लिए आज चारों तरफ धर्म का जाल बिछा हुआ है। अथक प्रयास, यत्न-प्रयत्न करके भोले-भाले लोगों द्वारा कमाया गया पैसा धर्म के ठेकेदार बटोर रहे हैं, गरीब और मजरूम लोगों का शोषण हो रहा है। महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज ने आगे कहा कि मृत्यु लोक में कोई भी वस्तु स्थिर नहीं है। जो आज है वह कल नहीं है। यह संसार परिवर्तनशील नाशवान,असत्य और मिथ्या है। चारों तरफ दुख ही दुख है, तनाव ही तनाव है, आपसी खींचातानी है। यह कहा जा सकता है कि यह संसार स्वप्न मात्र है। जैसा सपना रात का ऐसा यह संसार। मनुष्य जीवन पल-पल, स्वास स्वास पर बदल रहा है। मनुष्य के विचार और सोच बदलती है, अवस्थाएं बदलती हैं, अनुकूल और प्रतिकूल परिस्थितियां नितयप्रति बदलती हैं। दैहिक, दैविक और भौतिक सुख-दुःख और संताप आते और जाते रहते हैं। संयोग वियोग अर्थात मिलना और फिर बिछड़ना होता रहता है, क्षणिक सुख आते और जाते रहते हैं। जन्म मरण होता रहता है दुनिया की हर वस्तु बदलती है क्योंकि परिवर्तन कुदरत का अकाट्य नियम है। भौतिक वस्तुओं के गुणों अवगुणों को किसी उपकरण से नापा जा सकता है सागर चाहे कितना भी गहरा हो फिर भी नापा जा सकता है धरातल की गहराई, गगनचुंबी पर्वतों की श्रृंखलाओं को, वायु के प्रवाह

को, तापमान को, शरीर की प्रक्रिया को धरती की हलचलो को, भूकंप और आकाश की घटनाओं को उकरणों से नापा जा सकता है परंतु जीव में अच्छे और बुरे कर्म, अच्छाई- बुराई, गुण-अवगुण दोनों को किसी भी यंत्र और उपकरण से नहीं नापा जा सकता इस ओत-प्रोत जय श्री प्रियतम निर्गुण निराकार एंव सर्वाधार परमात्मा के अनुग्रह और समय के हाकिम आत्मवेता ब्रह्मनिषठ सतगुरु के रहमोकर्म को भी किसी भी उपकरण से नही नापा जा सकता। स्वामी जी ने कहा कि इस गुत्थी को सुलझाने के लिए पंचभौतिक जड़ शरीर, बाहरमुखी निरर्थक कर्मकांड, रिति रिवाजों, धार्मिक उन्माद, कट्टरवाद, जातिवाद, मजहब, बहुदेववाद, लौकिक शब्दों के मकड़जाल, मन की ऊहापोह से ऊपर उठना होगा और जीवन के प्रति अपना नजरिया बदलना होगा। जीवन में समता, समानता, सहनशीलता, परहित और पुरुषार्थ की भावना, जागरूकता की ओर कदम बढाना होगा।

भारत रत्न ए पी जे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि (27 जुलाई) पर विशेष

कलाम की बातें

खूब मिलती हैं काम की बातें।
जब कहीं हों कलाम की बातें।

आज है जन्मदिन हसीं उनका,
हर कहीं हों कलाम की बातें।

लाभ मिलना यकीन से सबको,र
गर कहीं हों कलाम की बातें।

ढूंढते फिर रहे हो क्यूँ डाइस,
अब यहीं हों कलाम की बातें।

स्टार आइकन हमीद भारत के,
क्यूँ नहीं हों कलाम की बातें।

हमीद कानपुरी,
अब्दुल हमीद इदरीसी,
179, मीरपुर, कैण्ट, कानपुर -208004

पदोन्नति में आरक्षण व बैकलॉग की घोषणा पूरी न होने से हजरस के पदाधिकारियों में रोष

20 अगस्त को करनाल में करेंगे ऐतिहासिक राज्य स्तरीय विरोध प्रदर्शन : सरोहा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। डॉ भीम राव अंबेडकर भवन कमेटी कुरुक्षेत्र के प्रधान एवं सेवानिवृत आईएएस डॉ रामभक्त लांगयान की अध्यक्षता में वार्षिक बैठक संपन्न हुई। जिसमे सैकड़ो की संख्या मे सदस्यों ने भाग लिया और वर्षभर का लेखा जोखा व सामाजिक मुद्दो पर चर्चा की गई। इस अवसर पर हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ के राज्य कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश सरोहा ने सभी को करनाल मे होने वाली रैली का न्योता दिया व सभी ने सहमति जताई। उन्होंने कहा कि संघ निम्न मांगो को लेकर रैली कर रहा है जिसमे माननीय मुख्यमंत्री ने 12 जून 2022 को रोहतक मे संत कबीर जयंती व 3 फरवरी 2023 को नरवाना मे सन्त रविदास जयंती के अवसर पर दो दो बार की गई पदोन्नति में आरक्षण की घोषणा को पूरा न होने के चलते हजरस 20 अगस्त को करनाल मे शिक्षा बचाओ, रोजगार बचाओ, प्रतिनिधित्व पाओ रैली के माध्यम से अपने पांचवें चरण के आंदोलन का आगाज़ करेगा। उन्होने कहा कि जब से हरियाणा बना है क्लास वन व क्लास टू की पदोन्नति में आरक्षण लागू नहीं हुआ, जिसके चलते सभी विभागों में प्रथम व द्वितीय श्रेणी के पदों पर अनुसूचित जाति का प्रतिनिधित्व न के बराबर है। उन्होने कहा कि वर्ष 2015 से पी राघवेंद्र राव कमेटी, अनिल कुमार आईएएस कमेटी से लेकर आज तक केवल और केवल डाटा इकट्ठा करने का काम पूरा नहीं हुआ जिससे लगता है हरियाणा सरकार की मंशा अनुसूचित जाति वर्ग को उनका संवैधानिक प्रतिनिधित्व प्रदान करने की नहीं है। जिसके चलते हजरस सभी एस.सी कर्मचारी संगठनो को साथ लेकर व समाज की सभी सभाओं व युवाओं को साथ लेकर के सड़कों पर उतरने का काम करेगा क्योंकि पदोन्नति में आरक्षण की लड़ाई एक सामाजिक लड़ाई है। पदोन्नति से नीचे का रोस्टर खाली होता है और बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। सरोहा ने कहा की अब मुख्य सचिव महोदय की ओर से जो पत्र जारी हुआ है उसमें सभी विभागों द्वारा रोस्टर रजिस्टर मेंटेन करने की बात कही गई है, जबकि हकीकत यह है की अनेक विभागों में रोस्टर रजिस्टर तैयार नहीं है जिसके चलते पदोन्नति में आरक्षण असंभव सा जान पड़ता है। रोस्टर रजिस्टर मेंटेन ना होने की वजह से अनुसूचित जाति वर्ग का हजारों पदो का बैकलॉग खाली पड़ा है जिसके बारे में कोई अता पता नहीं है। उन्होंने कहा की हजरस ने पिछले दो सालों में 200 ज्ञापन खंड स्तर, जिला स्तर, उपायुक्तों के माध्यम से एवं जनप्रतिनिधियों के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने का काम किया। लेकिन हमारी मांगों का कोई समाधान नहीं हुआ। अनुसूचित जाति वर्ग का हजारों का बैकलॉग खाली होने के कारण पढ़े-लिखे युवा बेरोजगार घूम रहे हैं।

डॉक्टर सी.आर.जिलोवा, एक्सईन विनोद सरोहा व प्रदीप रंगा ने कहा कि महाविद्यालयों व विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की प्रोत्साहन राशि व छात्रवृत्ति वर्ष 2016 से बच्चों को समय पर नहीं पहुंच रही है। बच्चे महाविद्यालय, विद्यालय और बैंकों में चक्कर काट रहे हैं लेकिन उन्हें उनकी छात्रवृत्ति प्रदान नहीं की जा रही है। उन्होंने कौशल रोजगार निगम के तहत होने वाली भर्तियों में वर्ग अनुसार आरक्षण प्रदान न किया जाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने सरकार से मांग की है कि कौशल रोजगार निगम बंद करने व स्थायी भर्ती करने पर जोर दिया। जिला प्रधान राज पाल बामणिया व जिला सचिव रमेश थाना ने कहा कि ब्लाक स्तर पर कमेटिया गठित करके कर्मचारी व सामाजिक संगठनो, सरपंचो व आम जनता से सहयोग की अपील की जाएगी।

मीटिंग में लख्मी चन्द, हरी सिंह, जिले सिह सभरवाल, बी.के भास्कर, टी.सी तंवर, शाम लाल, राजेंद्र सिंह, रामकरण गुजराल, रमेश बौद्ध, नराता राम बधवार, बाबु राम, कृष्ण रंगा, सत्यपाल भोला, राजाराम, एम सी हालू, राजेश्वर, दर्शन बागड, सुदर्शन, राजेश कुमार सहित भारी संख्या मे साथी उपस्थित रहे।

निराश्रित बच्चों को दी जा रही है प्रति माह 1600 रुपये की वित्तीय सहायता : डीसी

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । डीसी राहुल हुड्डा ने बताया कि जिला में 21 वर्ष तक की आयु का बच्चा जो अपने माता-पिता की सहायता अथवा देखभाल से उनकी मृत्यु होने के कारण, अपने पिता के घर से पिछले 2 वर्ष की अवधि से अनुपस्थित होने के कारण अथवा माता-पिता के लम्बी सजा, जोकि एक वर्ष से कम न हो या मानसिक व शारीरिक अक्षमता के कारण वंचित हो जाते हैं और जिनके माता-पिता, अभिभावक की सभी साधनों से वार्षिक आय दो लाख से अधिक नहीं है। वह बच्चा हरियाणा सरकार के सामाजिक न्याय एवं सहकारिता विभाग द्वारा दी जा रही वित्तीय सहायता का लाभ पात्र है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त विभाग द्वारा एक परिवार में दो बच्चों तक 1600 रुपये प्रति माह प्रति बच्चा पेंशन प्रदान की जा रही है।

जिला समाज कल्याण अधिकारी विशाल सैनी ने बताया कि उपरोक्त स्कीम का लाभ लेने के इच्छुक व्यक्ति के पास बेसहारा होने का प्रमाण पत्र, बच्चों के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र व आवेदक का 5 वर्ष या उससे अधिक की अवधि का हरियाणा राज्य में निवासी होने का दस्तावेज जैसे कि फ़ोटोयुक्त वोटर कार्ड या राशन कार्ड आदि की स्वयं सत्यापित फोटो प्रति सहित परिवार पहचान पत्र होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आवेदक के पास यदि उपरोक्त दस्तावेजों में से कोई दस्तावेज नहीं है तो वह कोई अन्य प्रमाण पत्र सहित 5 वर्ष से हरियाणा में रिहायश का हलफनामा दे सकता है। उन्होंने कहा कि यदि बच्चे के माता-पिता या अभिभावक किसी भी सरकार द्वारा पारिवारिक पेंशन प्राप्त कर रहा है वो उपरोक्त स्कीम का लाभ नहीं ले पाएंगे।

उन्होंने बताया कि इस स्कीम का लाभ लेने के इच्छुक प्रार्थी अपने नजदीकी अंत्योदय सरल केंद्र, अटल सेवा केंद्र सहित सीएससी केंद्र पर आवेदन कर सकते हैं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह को गरिमापूर्ण ढंग से मनाने के लिए अधिकारियों की बैठक आयोजित

उपमंडल स्तर पर मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस समारोह : गिल

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

बिलासपुर/यमुनानगर। नगराधीश एवं एसडीएम जसपाल सिंह गिल ने उपमंडल स्तर पर स्वतंत्रता दिवस समारोह 15 अगस्त 2023 को गरिमापूर्ण ढंग से मनाने के लिए लघु सचिवालय बिलासपुर के सभागार में उपमंडल के संबंधित अधिकारियों की बैठक ली और संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस राष्ट्रीय पर्व को मनाने के लिए जिस विभाग को जो डयूटी मिली है उसे निष्ठा व लग्न के साथ करें। डयूटी के साथ-साथ यह हमारा नैतिक कर्तव्य भी है। नगराधीश एवं एसडीएम जसपाल सिंह गिल ने बैठक में बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस समारोह राजकीय संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बिलासपुर के परिसर में आयोजित किया जाएगा। अतः सबंधित अधिकारी राजकीय संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बिलासपुर में इस राष्ट्रीय पर्व को मनाने के लिए पहले से ही सभी प्रकार की तैयारियां रखे। स्वतंत्रता दिवस का पर्व देश की गरिमा से जुड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं परेड के लिए अन्तिम रिहर्सल 13 अगस्त 2023 को होगी।

नगराधीश एवं एसडीएम जसपाल सिंह गिल ने बैठक में साफ-सफाई, जलपान, पीने के पानी, शौचालयों का निर्माण, स्टेज की सजावट तथा अन्य कार्यक्रम से जुड़े महत्वपूर्ण बिन्दूओं पर भी सम्बन्धित अधिकारियों से चर्चा की और इस दिशा में संबंधित अधिकारियों को समय पर सारी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि सभी अधिकारी अपने-अपने विभागों से सम्बंधित कार्य समय पर पूर्ण होना सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर डी.एस.पी. जितेंद्र, खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी जोगेश कुमार, नायब तहसीलदार दलजीत सिंह, खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रेम लता, एसएमओ शमां परवीन, पब्लिक हेल्थ से एस.डी.ई. जफर इकबाल, उत्तरी हरियाणा बिजली वितरण निगम के जे.ई. राजेन्द्र कुमार, सी.डी.पी.ओ. कुसुम लता, एसडीओ पंचायती राज रणधीर सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

धार्मिक एजेंडे के अलावा कोई काम नहीं सरकार के पास पिटते फिर रहे मंत्री व विधायक : राजकुमार सैनी

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । पूर्व सांसद एवं लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी के सुप्रीमों राजकुमार सैनी ने कहा कि लंबे समय से किसान, मजदूर, क्लर्क व शिक्षक सडकों पर आंदोलन कर रहे हैं। हरियाणा के अंदर पानी की निकासी के मामले में भी सरकार की पोल खुल चुकी है। नालियां, नहरें व तटबंध टूट गए। प्राकृतिक आपदों से निपटने के लिए सरकार के अनेक इंतजाम होते हैं लेकिन इस ओर सरकार का ध्या नहीं है बल्कि इनका ध्यान मंदिरों की तरफ है।

सैनी ने अपने आवास स्थान पर मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए यह बातें कही। उन्होंने कहा कि चारों तरफ ईख, धान व सब्जी की फसलें पानी में डूबने से खत्म हो गई और फसलों को बड़ा नुकसान हो रहा है। इस सरकार के मंत्री व विधायक लोगों से पिटते फिर रहे हैं। लोग इस सरकार का बहिष्कार कर रहे हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि सरकार के पास धार्मिक एजेंडे के अलावा ओर कोई काम नहीं।

सरकार यूनिवर्सिटी, विश्वविद्यालय व नई टेक्नोलॉजी की तरफ ध्यान नहीं दे रही है। लोगों से वोट लेने के चक्कर में मंदिर बना कर सरकार लोगों से झूठी वाहवाही बटोरने में लगी है। सरकार को मंदिर बना, हिंदू मुसलमान में लड़ाई करा कर, राम मंदिर बना कर, कावड़ यात्रा के लिए शिविर लगा, वोट मिल जाएंगे लेकिन जो लोग इस कावड़ यात्रा में मारे गए तो उन्हें 1-1 करोड रुपए दें, उनके बच्चों को शिक्षा दे व उन्हें अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराएं। लेकिन सरकार यह सब न करके लोगों को नशेड़ी व भोले बनाने पर जोर दे रही है ताकि इनका राजकाज ऐसे ही चलता रहे और ऐसे ही ये लोग देश को लूटते रहे।

लोगों से अनुरोध है कि जो लोग कावड़ यात्रा में जा रहे हैं वे लोग वहां न जाकर आपदा के समय में अपने खेतों और फसलों को बचाने का प्रयास करें।

हमारे पास बिहार से एक महिला ने आकर अपना समर्थन दिया और कहा कि हमारे देश की 50 फीसदी महिलाएं अंधविश्वास का शिकार है। लोगों से कहना चाहेंगे कि आज के समय में या तो सरकार के इंतजाम काम आएंगे या लोगों के द्वारा किए गए एफट्र्स काम आएंगे। कोई पूजा अर्चना काम नहीं आयेगी । अगर देश में 33 करोड़ देवी देवता है तो देश बार-बार गुलाम क्यों हुआ? देवी देवताओं के नाम पर ही देश का बंटाधार हुआ है। जाति व्यवस्था ब्राह्मणों के द्वारा बनाई गई है। उस समय जिन लोगों के पास शिक्षा थी उन्हीं लोगों ने ग्रंथ, उपन्यासों की रचना की और कहा कि यह तो भगवान के बनाए हुए हैं भगवान ने ही इन्हें लिखा है।

भगवान तो पंचतत्व है जिससे सृष्टि का निर्माण होता है भूमि, गगन, वायु, अग्नि व नीर। जब ये तत्व इकटठे होते है तो सृष्टि का निर्माण होता है। जब इन पंचतत्वों का विकराल रूप होता है तो ये विनाश करते यदि इनका सूक्ष्म रूप होता है ये सृष्टि का निर्माण करते है।

बाबा साहेब ने संविधान लिखकर सबको बराबर का हक दिया, फूले जी ने गुलामगिरी लिखकर लोगों को मानसिक गुलामी से मुक्त होने के लिए कहा। अपने हक , अधिकारों के लिए लडना सीखें , अंधविश्वास को छोड़ें व शिक्षा ग्रहण करे आगे बढ़ें व तार्किक बने।

रेडक्रॉस ने गांव कसीथल के राजकीय स्कूल में विद्यार्थियों को दिया फर्स्ट एड का प्रशिक्षण

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । प्राथमिक सहायता हरियाणा राज्य सेंट जॉन शाखा चंडीगढ़ के निर्देशानुसार रेडक्रास सोसायटी द्वारा उपायुक्त एवं रेडक्रास के अध्यक्ष शांतनु के नेतृत्व में जिला शिक्षा विभाग की मदद से विभिन्न स्कूलों में एक दिवसीय बेसिक प्राथमिक सहायता जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। रेडक्रॉस के सचिव डा. सुनील कुमार ने कहा कि जिला प्रशिक्षण अधिकारी द्वारा स्कूल कालेज में संपर्क स्थापित करके रेडक्रॉस सोसाइटी के माध्यम से प्राथमिक सहायता शिविरों का आयोजन जगह करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बुधवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कसीथल मे प्राथमिक सहायता का ट्रेनिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे प्राथमिक सहायता एवं गृह परिचरिया प्रवक्ता किरण कश्यप द्वारा घायल तथा रोगी को डाक्टर से पहले कैसे उपलब्ध समान से मदद करने की, सडक दुर्घटना स्थल पर बचाव करने की सडक सुरक्षा हेतु बने नियमों का पालन करने, नशे जैसी बुराई से दूर रहने और लोगों को भी जागरूक करने की जानकारी दी, नए पौधे लगाने के लिए विधार्थियों को प्रेरित किया उन्होंने विधार्थियों तथा अध्यापकों को रेड क्रास की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी जिसमे स्कूल की प्रिंसिपल निर्मला, 9 अध्यापकों तथा आठवीं से बारहवीं तक 139 विधार्थियों ने भाग लिया।

किरण कश्यप ने सभी को रेड क्रास सोसाइटी की गतिविधियों से जुडने के लिए जगरूक किया। प्राथमिक सहायता के विभिन्न विषयों जैसे बेहोशी, दम घुटने, दिल की गति रुकने, श्वास रुकने पर सीपीआर विधि का प्रयोग किया जाता हैं प्रेक्टिकल माध्यम से सिखाया, रक्त बहने पर सीधा दबाव दे पटी बांध के बहते रक्त को रोके, जलने का उपचार, हड्डी टूट मे टूटे अंग को सहारा दे कर बंधे, विष से प्रभावित रोगी की सहायता, रोगी को सुरक्षित अस्पताल पहुंचने की विधियां सिखाई। सभी ने भविष्य में ज्यादा लोगों तक जानकारी पहुंचाने, नशा मुक्त भारत अभियान मे मदद करने की शपथ दिलवाई गई।

देश की रक्षा करने वाला पत्नी को ना बचा सका पूर्व सैनिक

मणिपुर में जिन 2 महिलाओं को नग्न घुमाया, उसमें से एक के पति ने लड़ा था कारगिल

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

इंफाल, मणिपुर के कांगपोकपी में दो महिलाओं को नग्न कर घुमाने की घटना ने पूरे देश को झकझोड़ दिया है। विपक्षी दल इस मुद्दे को लेकर सरकार से सवाल कर रहे हैं। इस बीच जिन दो महिलाओं का नग्न परेड कराया गया उनमें से एक के पति का बयान सामने आया है।

महिला के पति पूर्व फौजी हैं। सेना में रहते हुए उन्होंने कारगिल की लड़ाई लड़ी थी। वह असम रेजिमेंट में सुबेदार थे। घटना के बारे में उन्होंने कहा, मैंने कारगिल में देश के लिए लड़ाई लड़ी। भारतीय शांति सेना के सदस्य के रूप में श्रीलंका भी गया था। मैंने देश की रक्षा की, लेकिन रिटायरमेंट के बाद निराश हूं। मैं अपने घर, अपनी पत्नी और गांव के लोगों की रक्षा नहीं कर सका।

पूर्व फौजी ने कहा कि वह बहुत दुखी और हताश हैं। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा, पुलिस मौजूद थी, लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया। मैं चाहता हूं कि घरों को जलाने और महिलाओं पर अत्याचार करने वाले सभी लोगों को ऐसी सजा मिले जो दूसरों के लिए उदाहरण बने।

जंग के मैदान से ज्यादा खतरनाक है मणिपुर की स्थिति

पूर्व फौजी ने कहा, मैंने कारगिल में लड़ाई लड़ी। रिटायरमेंट के बाद घर आ गया। मेरा अपना जगह जंग के मैदान से ज्यादा खतरनाक है। 4 मई की घटना को याद करते हुए उन्होंने कहा, वे हमारे गांव आए और घरों को जलाने लगे। गांव के सभी लोग भागकर जान बचाने की कोशिश करने लगे। इसी दौरान मेरी पत्नी मुझसे अलग हो गई। वह और गांव के चार अन्य लोग जंगल में छिप गए। सूअरों और मुर्गे-मुर्गियों का पीछा करते हुए कुछ हमलावर जंगल में गए और उन्हें देख लिया।

इस बीच हमलावर रिटायर सैनिक और अन्य ग्रामीणों को गांव की कच्ची सड़क पर ले गए थे। रिटायर सैनिक ने कहा, मैंने उन्हें मेरी पत्नी और बाकी लोगों को दूर तक ले जाते हुए देखा।

3 मई से जातीय हिंसा की आग में जल रहा मणिपुर

गौरतलब है कि मणिपुर तीन मई से जातीय हिंसा की आग में जल रहा है। आरक्षण को लेकर हाईकोर्ट के फैसले के बाद तीन मई को जनजातीय एकजुटता मार्च निकाला गया था। इसी दौरान झड़पें शुरू हो गईं। कुकी और मैतेई समुदाय के लोगों के बीच झड़पें हुई हैं। हिंसा में 160 से अधिक लोग मारे गए हैं। महिलाओं को नग्न घुमाने की घटना चार मई की है। घटना के एक महीने से भी अधिक समय बाद 21 जून को मामले में एफ.आई.आर दर्ज की गई थी। एफ.आई.आर के अनुसार 21 साल की एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। जब उसके 19 साल के भाई ने बचाने की कोशिश की तो उसे मार दिया गया।

माता पिता को सुख और प्रतिष्ठा देने वाले केवल संत : स्वामी वीर सिंह हितकारी

गजब हरियाणा न्यूज

यमुनानगर । माता-पिता की प्रतिष्ठा करो,माता- पिता दिवस पर समर्पित। इसका यथार्थ में अर्थ पूज्य गुरुदेव स्वामी वीर सिंह हितकारी जी रंगपुर समुह साध संगत जी को प्रेरणा देते हुए कहते हैं कि हमें संसार मे इस प्रकार के कार्य करने चाहिए, जिससे माता-पिता की प्रतिष्ठा और सुकृति बढ़े, ऐसा कर्म केवल एक परमात्मा की ही भक्ति है। जिसका पुत्र ज्ञानी भक्त होगा उसके माता-पिता ही प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे, जिस माता ने संत उत्पन्न नहीं किया उसने कुछ भी उत्पन्न नहीं किया, माता पिता को सुख और प्रतिष्ठा देने वाले केवल संत ही हैं। परमात्मा ही जठराग्नि के सब दुखों से जीव की रक्षा करता है। उसके पोषण के लिए माता की नाभी में एक छिद्र बनाता है। उसमे एक नाली लगाता है। जिससे उसके पेट में पोषण पहुंच कर उसकी रक्षा होती है। उसके हाथ पाव बंधे हुए होते हैं, गंदगी में लिपटा होता है, माता जो कुछ भी खाती है उसी के एक भाग से बालक का पोषण होता है और जब जन्म होने का दिन निकट आता है तो माता के स्तनों में दूध पहले ही भर जाता है। जिस समय बच्चा गर्भ से बाहर होता है उस समय उसकी नाभि का द्वार बंद हो जाता है, उसके स्थान में स्तनों में छिद्र हो जाता है, जिससे बच्चा दूध पीता है। परमात्मा उस बच्चे की सेवा के लिए दो सेवक उपस्थित करता है। जो इस संसार में माता पिता के नाम से प्रसिद्ध होते हैं,दोनों बच्चे से ऐसा प्रेम करते हैं जो सदा के लिए उसके लिए प्राण न्योछावर कर देने के लिए तैयार रहते हैं। जब तक बच्चा जवान नहीं हो जाता अपने आप को संभालने योग्य नहीं हो जाता तब तक उसकी रक्षा किया करते हैं। जिस परमात्मा ने नाभि में नल लगाकर एवं स्तनों से दूध पिलाकर दो प्यारे सेवक देकर, बच्चे की रक्षा की फिर संसार में सब सुखों को प्रदान किया। सब कठिनाइयों को सहज किया ऐसे सच्चे पिता माता जो परमात्मा स्वरूप है,उनको भूलकर वह बच्चा एक दिन उसी माता-पिता के विरोध में खड़ा हो जाता है। अगर दुनिया में कोई पहला गुरु है तो वह माता पिता है। माता पिता के विरोध में खड़ा हुआ बालक माता-पिता की क्या प्रतिष्ठा कर सकेगा। जब मूल ही नहीं तो शाख पर फल फूल की बात ही कहां, इसलिए जीवन में माता पिता का विशेष रुप से सम्मान करें आदर करें सत्कार करें। और खास तौर से बुढ़ापे में उनकी सेवा करें , यही परमात्मा की पावन सच्ची भक्ति है। संत जैन दास हितकारी,गद्दी नशीन, गुरु गद्दी दयाल गढ़ दरबार साहिब हरियाणा।

डाक अधीक्षक देसू राम ने किया डाक निर्यात केंद्र का शुभारंभ

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । डाक अधीक्षक देसू राम द्वारा कुरुक्षेत्र के प्रधान डाकघर में डाक निर्यात केंद्र का शुभारंभ किया गया। डाक निर्यात केंद्र के लिए प्रधान डाक घर में अलग से एक काउंटर खोला गया। देसू राम ने बताया कि विभाग द्वारा की गई डाक निर्यात केंद्र की शुरुआत से विदेशों में सामान भेजने वाले मर्चेंट्स कस्टमर के लिए बहुत आसानी हो जाएगी। डाक निर्यात केंद्र के लिए पंजीकरण के बाद कस्टमर स्वयं अपने आप घर बैठे अपने आर्टिकल/पैकेज की बुकिंग कर सकेंगें जिससे वे अपना व प्राप्तकर्ता का पता पूरे विवरण के साथ फोन नंबर सहित भर सकेंगे। बुकिंग करने वाले को सही से आर्टिकल का वजन डालने के बाद जो स्लिप प्रिंट होगी उस पर स्वत: एक बार कोड भी प्रिंट हो जाएगा। जिस कारण बुकिंग कर्ता को अलग से डाक घर के आर्टिकल बार कोड की आवश्यकता नहीं रहेगी और पूरे विश्व में उसी बार कोड से आर्टिकल

को ट्रेक किया जा सकेगा। बुकिंग के लिए दिये जाने वाले पोस्टल चार्ज का भुगतान काउंटर पर किया जा सकेगा। इससे न केवल देश/विदेश के कस्टम विभाग के लिए सही डाटा उपलब्ध होगा साथ साथ डाकघर के काउंटर पर बुकिंग भी बिना देरी के हो सकेगी ।

डाक निर्यात केंद्र में कार्य करने के लिए डाक कर्मचारियों को विशेष ट्रेनिंग दी गई है। मर्चेंट्स कस्टमर को अपना पंजीकरण स्वयं करना होगा ।

इस अवसर पर सहायक अधीक्षक प्रवीन अरोड़ा, कृष्ण कुमार डाकपाल, कुलवंत सिंह ट्रेनर, प्रवीन कुमार पी.आर.आई, प्रवीन मालिक स्टेनो, जितेंद्र सिस्टम मैनेजर, प्रिंस कुमार, अनिल, अंजु रानी इत्यादि मौजूद थे।

अंबेडकर भवन की वार्षिक आम सभा में लगी कई अहम फैंसलों पर मुहर

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । कुरुक्षेत्र के सेक्टर - 8 में स्थित अंबेडकर भवन की वार्षिक आम सभा में कई अहम फैंसलों पर मुहर लगाई गई जिनमें मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों की शिक्षा में सुधार के उपाय किए जाएं तथा वहां के लोगों को सरकारी योजनाओं से अवगत करा कर उनको उनका लाभ दिलाया जाए, उसके लिए हर महीने गांव में शिविर लगाने का निर्णय लिया गया। यह जानकारी बैठक के अध्यक्ष व सेवानिवृत आईएएस डॉ. राम भगत लांगयान ने दी। उन्होंने बताया कि गत रविवार को आयोजित बैठक में यह भी फैसला लिया गया था कि जिस विद्यार्थी ने 10वीं या 12वीं कक्षा में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया, उन्हें आगे पढने के लिए 1000 प्रति माह अनुग्रह राशि दी जाएगी।

इसके अलावा सभा में पिछले साल के आय व्यय को मंजूरी देते हुए सभा में कई अहम फैसले लिए गए। सर्वसम्मति से सभा में यह भी निर्णय लिया गया कि दलित साहित्य पर लिखने वाले लेखकों को पुरस्कृत किया जाएगा। सभा ने बढ़ते हुए तलाक के केसों पर चिंता प्रकट की और निर्णय लिया गया की ऐसे

मामलों को दोनों पक्षों को भवन में बिठाकर समझौता कराया जाए। डॉक्टर अंबेडकर भवन के प्रांगण में डॉ आंबेडकर की प्रतिमा लगाने का भी फैसला लिया गया। इसके अलावा जनरेटर खरीदने और हाल को भी साउंडप्रूफ करने का फैसला लिया गया। सभा को सुनील पुनिया, विनोद कुमार, रामकरण, रमेश बौद्ध, ताराचंद तंवर, सेवाराम बालू आदि ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर डॉ सुनीता, सी.आर जिलोवा, लख्मीचंद, श्यामलाल, जिले सिंह सभरवाल ,जसपाल मेहरा, राजेंद्र भट्टी, महेंद्र बागी आदि 160 मेंबर उपस्थित थे।

खाद के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हो रहे किसान : मेवा सिंह

गजब हरियाणा न्यूज/ शर्मा

बाबैन, विधायक मेवा सिंह ने कहा कि यूरिया खाद की किल्लत के चलते अन्नदाता किसान बेहद परेशान है और किसान खाद के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हो रहा है लेकिन किसान को फिर भी खाद नहीं मिल पा रहा है। विधायक मेवा सिंह बाबैन में वरिष्ठ कांग्रेस नेता संजीव भूखडी के कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों को कई कई घंटे लाइन में खाद लेने के लिए परेशान होना पड़ रहा है बावजूद इसके भी किसानों को खाद न मिलने पर मायूस ही वापस लौटना पड़ता है। इस मौके पर कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता जयपाल पांचाल, संजीव भूखड़ी, मान सिंह, कर्मबीर भूखडी, रामपाल सैनी, भीम सिंह उमरी व कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Number : HAR/HIN/2018/77311